चैत्र शुक्ल पक्ष-11, 2080 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 213 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
28 जनवरी 2025 मंगलवार

आज का मौसम
28 अधिकतम
11 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

बाबा साहब के नाम पर महू में हाई वोल्टेज ड्रामा का क्या औचित्य ?

महू में कांग्रेस ने सोमवार को जय भीम, जय बापू और जय संविधान के नाम सम्मेलन करके कांग्रेस ने बड़ी रैली की तो भाजपा ने भी फौरन पलटवार करते हुए हितग्राही सम्मेलन कर डाला। राहुल गांधी ने संविधान बचाने के नाम पर देश में जातिगत जनगणना कराने की मांग को फिर दोहराया और बाबा साहब के संविधान में प्रदत्त आरक्षण की

प्रसंगवश
राजेश सिरोठिया

अधिकतम 50 फीसदी की सीमा को सत्ता में आने पर बढ़ाने का प्रावधान करने का ऐलान कर डाला। भाजपाई मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि जिस बाबा साहब के नाम की दुहाई कांग्रेस दे रही है उसने बाबा साहब को भारत रत्न तो छोड़िए पदम सम्मान तक देने की दरियादिली नहीं दिखाई। यह सब जानते हैं कि संविधान की ड्राफ्ट कमेटी का चैयरमैन रहते हुए बाबा साहब आंबेडकर ने समाजिक और आथिक रूप से पिछड़े लोगों को दस साल के लिए संविधान में आरक्षण यह कहते हुए सुनिश्चित कराया था उतने वक्त में लोग समानता के मुकाम तक आ जाएंगे। आरक्षण की सीमा 50 फीसदी रखी गई थी। लेकिन इसका मतलब कतई नहीं है कि बाकी 50 फीसदी सामान्य वर्ग के लिए आरक्षित हैं। सच तो यही है कि ये 50 फीसदी सीटें अनारक्षित कोटे की हैं। साामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े नौजवान यदि सामान्य वर्ग के नौजवानों से ज्यादा या उनके बराबर अंक हासिल करते हैं तो उनकी गणना अनारक्षित कोटे में की जाती है न कि आरक्षित कोटे में। अब यह बात राहुल गांधी को कौन समझाए। सुप्रीम कोर्ट संविधान के दायरे में रहकर ही 50 फीसदी से ज्यादा आरक्षण की तय सीमा लांघने पर रोक लगाती है. अब ऐसे में सवाल यह है कि बाबा साहब के संविधान को कैन तार-तार कर रहा है? दस साल का आरक्षण सात दशकों से भी जारी है और अब तो वोटों की सियासत के चलते आगे भी जारी रहने वाला है तो इस गल्ती में तो सभी शरीके जुर्म हैं। यह कौन बताएगा कि आरक्षण की बैसाखियों पर चलने के बावजूद संविधान की अनुसूचित जाति ,अनुसूचित जनजाति में शरीक वर्गों का सामाजिक और आर्थिक उत्थान नहीं हो पाने के लिए कौन जिम्मेदार है? क्या राजनीतिक दलों को नहीं पता कि बीते सात दशकों में आरक्षण के नाम पर अनुसूचित जाति और जनजाति के नाम चंद परिवारों का वंशवाद हावी हो चुका है जो सारे आरक्षण को हथिया जाता है। यानि इन अनुसूचित जातियों और जनजातियों का संचित हो चुका वर्ग वंचितों को उनके हकों से वंचित कर रहा है। क्या अन्य पिछड़े वर्गों कोा मिलने वाले आरक्षण में क्रीमीलेयर जैसे प्रावधान करने की हिम्मत राहुल गांधी उनकी कांग्रेसी सरकारों ने कभी ताकि वंचित वर्गों को नौकरी पाने का मौका मिल सके? क्या कांग्रेस सहित किसी भी सरकार ने ऐसे परिवारों की गणना कराने की पहल की जिससे पता चल सके कि बाबा साहब की मूल भावना के तहत कितने पिछड़े परिवार आर्थिक और सामाजिक तौर पर संपन्न हो चुके हैं। ऐसे कौन से परिवार हैं जो पीढ़ी दर पीढ़ी आरक्षण का फायदा उठाकर वंचित वर्ग को आरक्षण का लाभ नहीं मिलने दे पा रहे हैं? जातिगत जनगणना तो अंग्रेज कराते थे लेकिन राहुल गांधी के परदादा यानि पंडित जवाहर लाल नेहरू ने ही प्रधानमंत्री बनने के बाद जाति आधारित जनगणना को यह कहते हुए बंद कराया था कि इससे सामाजिक समरसता बिगड़ेगी। अब राहुल गांधी को कांग्रेस की लीक से हटकर कौन जातिगत जनगणना की सलाह दे रहा है? क्या कांग्रेस और राहुल गांधी वामपंथी सलाहकारों की गोद में बैठकर देश की सामाजिक समरसता को तोडने की कोशिश नहीं कर रहे हैं? राहुल गांधी की तो छोड़िए कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने यह दलील दे डाली की महाकुंभ में डुबकियां लगाने से गरीबी दूर नहीं होगी और रोजगार नहीं मिलेगा.लेकिन दूसरे धर्मों होन वाली पूजा पाठ, उपासना, प्रार्थना और इबादत से हासिल होने वाली अमीरी और रोजगार के बारें में उन्होंने कुछ नहीं कहा? अब इसे कांग्रेस की कौन सी रणनीति माना जाए? कांग्रेस ऐसी ही लूज गेंदें डालकर सियासी मैदान में चौके छक्के पड़वा रही है और भाजपा के नेता जमकर बल्लेबाजी करके मैदान लूट रहे हैं। कांग्रेस को जाने कब समझ आएगा कि वह देश की सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी है और उसे सशक्त विपक्ष की भूमिका निभाने के लिए क्या करना चाहिए।

सौरभ को कोर्ट परिसर के बाहर लोकायुक्त पुलिस ने किया गिरफ्तार

छापे के बाद से फरार, सरेंडर करने के इरादे से पहुंचा था

भोपाल दोपहर मेट्रो।

बडे कारोबारी व आरटीओ के पूर्व कॉन्स्टेबल सौरभ शर्मा को आज लोकायुक्त की टीम ने कोर्ट परिसर के बाहर से गिरफ्तार कर लिया। इसकी पुष्टि लोकायुक्त डीजी जयदेव प्रसाद ने की। हालांकि लोकायुक्त का दावा है कि सौरभ का कल ही हिरासत में ले लिया गया था। वहीं, सौरभ के वकील राकेश पाराशर ने बताया कि सौरभ कोर्ट के आदेश पर आज 11 बजे हाजिर होने वाला था लेकिन लोकायुक्त पुलिस ने उसे अरेस्ट कर लिया। जबकि सौरभ ने कल कोर्ट में खुद उपस्थित होकर सरेंडर करने का आवेदन दिया था। एडीजे रामप्रसाद मिश्रा ने लोकायुक्त को केस डायरी के साथ उपस्थित होने के आदेश दिए थे। जानकारी के मुताबिक सौरभ सोमवार दोपहर सरेंडर करने एडीजे आरपी मिश्रा की कोर्ट पहुंचा था। यहां सौरभ के वकील ने सरेंडर के लिए आवेदन दिया। वकील ने कोर्ट को बताया कि उन्हें जानकारी मिली है कि सौरभ लोकायुक्त के आय से अधिक संपत्ति के एक प्रकरण में फरार चल रहा है। इस केस से जुड़े तमाम डॉक्यूमेंट्स लोकायुक्त टीम के पास है। तब कोर्ट ने रिपोर्ट के साथ डायरी तलब की थी।

अब खुलेंगे संपर्कों के राज: माना जा रहा है कि करीब एक महीने से फरार सौरभ से पूछतोछ बयान आदि के जरिये कई राज भी सामने आ सकते हैं। उस पर छापे में भारी मात्रा में नकदी,निवेश,आभूषष आदि मिले थे।

बागपत में 65 फीट ऊंचा मंच टूटने से 6 मौतें, कई घायल

बागपत। उत्तर प्रदेश के बागपत शहर के पास आज सुबह जैन समुदाय के निर्वाण महोत्सव के दौरान हादसा हो गया। यहां 65 फीट ऊंचे मंच की सीढ़ियां टूट गईं। इससे कई श्रद्धालु एक दूसरे पर गिरते चले गए। भगदड़ जैसे हालात हो गए। खबरो के मुताबिक हादसे में 6 श्रद्धालुओं की मौत हो गई है। 80 से अधिक घायल हुए हैं। गंभीर घायलों को अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती किया गया है। हादसा बागपत शहर से 20 किलोमीटर दूर बढौत का है। महोत्सव में आदिनाथ भगवान को प्रसाद चढ़ाने का कार्यक्रम चल रहा था। 65 फीट ऊंचा लकड़ी का मंच बनाया था। उस पर भगवान की 4-5 फीट ऊंची प्रतिमा रखी थी। श्रद्धालु भगवान तक पहुंचने के लिए मचाननुमा सीढ़ियों से ऊपर चढ़ रहे थे। वजन बढ़ने से पूरा मचान नीचे गिर गया।

अब लंबे समय से छाई प्रशासनिक अनिश्चितता दूर, सरकार का जीआईएस पर सीधा फोकस

सर्जरी के बाद धुंध छटी, प्रशासनिक जमावट की तस्वीर नई, संकेत कई

भोपाल दोपहर मेट्रो।

मप्र में लंबे समय से अटक रही प्रशासनिक सर्जरी को अंजाम देने के बाद अब प्रशासनिक गलियारों में अनिश्चितता व अटकलों का माहौल थमने लगा है। तीन दर्जन से ज्यादा आईएएस अफसरों की नई जमावट के पीछे की कई वजहें अब साफ नजर आने लगी हैं। पिछले करीब साल भर से 'शक्तिमान' नजर आ रहे भरत यादव को मुख्यमंत्री सचिवालय व नगरीय प्रशासन महकमे से हटाने को सबसे बडा 'बदलाव' माना जा रहा है। यादव की विभागीय मंत्री के अलावा कई विधायकों व मंत्रियों से ट्यूनिंग नहीं बैठ रही थी। कांग्रेस के कई नेता भी उनसे नाराज थे। अविनाश लवानिया को भी सीएमओ से हटाने के कई अर्थ निकले हैं। कुल मिलाकर इन बदलाव के कई राजनीतिक संकेत भी हैं। अब रायसेन कलेक्टर अरविंद दुबे की सीएमओ में आमद कराई गई है। कुछ ऐसे अफसरों को भी बड़ा काम मिला है जो काम नहीं मिलने की शिकायतें कर रहे थे। वहीं बरसों से जमे मैदानी अफसरों को मंत्रालय वापस बुलाया गया है। नई जमावट में नये मुख्यसचिव अनुराग जैन की भी पसंद-नापसंद शामिल हैं। पद संभालने के बाद उनकी यह पहली बडी प्रशासनिक जमावट है। यदि सूत्रों की मानें तो अब आईपीएस अफसरों की जमावट में भी एक फेरबदल को अंजाम दिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि तबादला सूची करीब दो सप्ताह से तैयार थी और इसमें अंतिम समय तक कुछ फेरबदल चलते रहे। सूत्र बताते हैं कि सीएम मोहन यादव ने जापान दौरे पर रवाना होने से पहले सूची को हरी झंडी दी। अब आईएएस अफसरों की जमावट में बडे फेरबदल की संभावना नहीं है अलबत्ता मई जून में कुछ तबादले जरूर होंगे।

शिकवों के बाद मिला काम

आईएएस नेहा मारव्या सिंह के दर्द को भी इस सर्जरी में आखिरकार दवा मिल गई। वर्ष 2011 बैच की अपर सचिव स्तर की अधिकारी को अब कलेक्टरी मिली। जबकि उनसे जूनियर अफसर कलेक्टरी कर रहे हैं। पिछले महीने आईएएस सर्विस मीट के दौरान नेहा ने अपना दर्द जाहिर किया था। ज्ञात हो कि रोजगार गारंटी परिषद की एडिशनल सीईओ रहने के दौरान उन्होंने वन विभाग के सीसीएफ पद से रिटायर हुए ललित बेलवाल के खिलाफ जांच शुरू कर दी थी। उन पर आरोपों को सही करार देते हुए एफआईआर दर्ज करने की अनुशंसा कर दी थी। तत्कालीन सीएम शिवराज सिंह चौहान के पीएस मनीष रस्तोगी पर भी नेहा मारव्या ने आरोप लगाया था। तत्कालीन मंत्री यशोधरा राजे सिंधिया से भी उनका बिगाड़ था। शिवपुरी में पोस्टिंग के दौरान उन्होंने कलेक्टर की गाड़ी का बिल रोक दिया था।

सीएम की जापान में राजदूत से चर्चा बड़े उद्योगपतियों से वन टू वन

भोपाल दोपहर मेट्रो। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने आज जापान की राजधानी टोक्यो में भारत के राजदूत सिबी जॉर्ज से मुलाकात की है। मुलाकात के दौरान दोनों ने भारत-जापान के बीच मजबूत और ऐतिहासिक रिश्तों पर चर्चा की। यादव और जॉर्ज ने इस बात पर भी फोकस किया कि आगे इन रिश्तों को कैसे और प्रगाढ़ किया जाए, ताकि मध्य प्रदेश और जापान के बीच व्यापार-अर्थव्यवस्था का गठबंधन और मजबूत हो। गौरतलब है कि सीएम यादव जापान के चार दिवसीय दौरे पर हैं। इस दौरान वे जापान के उद्योगपतियों-निवेशकों को ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट में आने का निमंत्रण देंगे। वे सभी के साथ वन-टू-वन चर्चा करके निवेश के कई अवसरों की जानकारी देंगे। यह जीआईएस राजधानी भोपाल में 24-25 फरवरी को होगी। आज की मुलाकात को लेकर मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर लिखा- मप्र-जापान की मित्रता में एक नया अध्याय। यात्रा के पहले दिन की शुरुआत भारतीय राजदूत सिबी जॉर्ज से सौजन्य मुलाकात के साथ हुई। इसमें जापान और भारत के बीच लंबे समय से चले आ रहे संबंधों पर चर्चा की गई। आज प्रवासी भारतीयों ने यादव के जापान पहुंचने पर तिलक लगाकर आत्मीय अभिनंदन किया। प्रवासी भारतीयों ने उन्हें साफा भी बांधा व पारंपरिक तलवार भी भेंट की। आज यादव एडो गावा सिटी स्थित महात्मा गांधी पार्क भी जाएंगे। यहां वे महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजली अर्पित करेंगे इसके बाद वे केदानरेन (जापान बिजनेस फेडरेशन), जेट्रो एचक्यू जैसे बड़े उद्योगपतियों से चर्चा करेंगे। सीएम यादव ओसाका का दौरा भी करेंगे। वे कोब में 'सिस्मेक्स' कंपनी के अधिकारियों से मिलकर उनकी साइट का दौरा करेंगे। कोबे से ओसाका के लिए यात्रा के बाद वे 'पैनासोनिक एनर्जी' के अधिकारियों से चर्चा करेंगे।

मेट्रो एंकर

इलेक्टोरल बांड भाजपा को ज्यादा मिले

भाजपा की आय में 83 फीसद तो कांग्रेस की कमाई में 170 फीसद इजाफा!

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्र में सत्तारूढ़ भाजपा व प्रतिपक्ष कांग्रेस की आमदनी में पिछले वित्तीय वर्ष में भारी बढ़ोतरी देखी गई है। भाजपा की कमाई जहां 83 फीसदी बढ़कर 4340.5 करोड़ रुपये हो गई, वहीं कांग्रेस की आमदनी 170 फीसदी बढ़कर 1225 करोड़ रुपये पहुंच गई। दोनों पार्टियों की आय में इलेक्टोरल बॉन्ड का बड़ा योगदान रहा। भाजपा को 16.85.6 करोड़ रुपये इलेक्टोरल बॉन्ड के जरिए मिले। दूसरी ओर कांग्रेस को 828.4 करोड़ रुपये इलेक्टोरल बॉन्ड से मिले। यह जानकारी दोनों पार्टियों की ओर से चुनाव आयोग को सौंपी गई ऑडिट रिपोर्ट में है। खबरों के मुताबिक भाजपा की यह अब तक की सबसे ज्यादा सालाना आय है। ये आंकड़ा किसी भी पार्टी की ओर से घोषित बॉन्ड से प्राप्त रकम में भी सबसे ज्यादा है। कांग्रेस की आय और बॉन्ड से प्राप्त राशि, दोनों ही मामले में दूसरे नंबर पर है। कांग्रेस के पास बॉन्ड से दूसरी सबसे अधिक आय और प्राप्तियां हैं। वित्त वर्ष 24 में बीजेपी का खर्च 62 फीसदी बढ़ा तो कांग्रेस का 120 फीसदी बढ़ा है। हालांकि कांग्रेस ने बीआरएस को पीछे छोड़ दिया, जिसने 2023-24 में 685.5 करोड़ रुपये की कुल आय घोषित की। टीएमसी भी इस बार देश की मुख्य विपक्षी पार्टी से पीछे रही। तृणमूल कांग्रेस ने इस बार 612.4 करोड़ रुपये बॉन्ड में प्राप्त किए। खर्च के मामले में वित्तीय वर्ष में भाजपा का खर्च 2,211.7 करोड़ रुपये रहा, जो 2022-23 में घोषित 1,361.7 करोड़ रुपये से 62 फीसदी अधिक है। इसमें से 1,754 करोड़ रुपये चुनाव और सामान्य प्रचार पर खर्च किए गए।

राहुल की यात्रा पर 49 करोड़ खर्च

कांग्रेस ने 2023-24 में 1,025.2 करोड़ रुपये का वार्षिक व्यय किया, जो 2022-23 में 467.1 करोड़ रुपये से 120 फीसदी अधिक है। 14 जनवरी से 16 मार्च 2024 के बीच हुई राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा पर पार्टी ने करीब 49.6 करोड़ रुपये खर्च किए। वहीं 7 सितंबर 2022 से 30 जनवरी 2023 तक की गई उनकी भारत जोड़ो यात्रा के पहले संस्करण पर 71.8 करोड़ रुपये खर्च हुए थे।वहीं भाजपा को कुल 3967 करोड़ रुपये स्वैच्छिक चंदे के रूप में मिले है। इसमें इलेक्टोरल बॉन्ड के अलावा 236.3 करोड़ आजीवन सहयोग निधि और 20242.7 करोड़ रुपये अन्य सोर्स से प्राप्त हुए। व्यक्तिगत दानदाताओं ने लगभग 240 करोड़ रुपये, कॉर्पोरेट्स ने 1890 करोड़ रुपये, संस्थानों और कल्याणकारी संस्थाओं ने 101.2 करोड़ रुपये और अन्य ने 50 करोड़ रुपये का योगदान दिया। कांग्रेस को व्यक्तिगत दानदाताओं से 113.4 करोड़ रुपये, कॉर्पोरेट डोनर्स से 170 करोड़ रुपये, इलेक्टोरल ट्रस्ट और फाउंडेशन से 6.4 करोड़ रुपये, बॉन्ड से 828.4 करोड़ रुपये और अन्य सोर्स से 11.4 करोड़ रुपये मिले। इसके अलावा, पार्टी को सदस्यता और फी से 22 करोड़ रुपये और कूपन जारी करने और प्रकाशनों की बिक्री से 58.5 करोड़ रुपये की आय हुई। उधर कांग्रेस ने चुनाव पूर्व सर्वेक्षणों पर 4.9 करोड़ रुपये खर्च किए। पिछले साल यह खर्च 40.1 करोड़ रुपये था।

दिल्ली रण: आज शाह व राहुल की 3 रैलियां

नई दिल्ली। केंद्रशासित प्रदेश दिल्ली के विधानसभा चुनाव में प्रचार के लिए अब बाकी सात दिनों में सभी दलों के दिग्गजों ने मैदान संभाल लिया है। आज दिल्ली में अमित शाह,राहुल गांधी,योगी आदित्यनाथ,अरविंद केजरीवाल समेत कई नेताओं की ताबड़तोड़ रैलियां हैं। आज दिल्ली में भाजपा करीब 40 चुनावी रैलियां कर रही है। जबकि गृहमंत्री अमित शाह दक्षिणी दिल्ली में भाजपा प्रत्याशियों के लिए प्रचार करने उतर रहे हैं। विपक्ष के नेता राहुल गांधी की भी आज से दिल्ली के दंगल में एंट्री हुई है। वे पटपड़गंज और ओखला विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस उम्मीदवारों के समर्थन में चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे हैं। इससे पहले उनकी तीन रैलियां स्थगित की गई थीं। उन्होंने अब तक सिर्फ सीलमपुर में एक रैली को संबोधित किया है।

ट्रैक्टर-ट्रॉली में रेलगाड़ी का पहिया लगाया !

औरैया। उप्र में औरैया में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां ट्रैक्टर-ट्रॉली में रेलगाड़ी के पहिये लगाकर उसे दौड़ाया जा रहा था। जब एआरटीओ की नजर पड़ी तो उन्होंने ट्रैक्टर-ट्रॉली की चेकिंग की। ट्रैक्टर का रजिस्ट्रेशन कृषि कार्य हेतु था, लेकिन ट्रॉली का तो रजिस्ट्रेशन ही नहीं था। इस पर अधिकारी ने ट्रैक्टर-ट्रॉली का 10 लाख रुपये से ज्यादा का चालान काट दिया। खास बात यह है कि ट्रैक्टर का रजिस्ट्रेशन राजस्थान का था। पूछताछ में पता चला कि यह ट्रॉली एक रेलवे ठेकेदार के यहां काम पर लगी थी। इसके लिए वाहन मालिक को 85 हजार रुपये हर महीने मिलता था। ये मानक विहीन ट्रैक्टर-ट्रॉली पिछले 5 साल से सड़कों पर दौड़ रही थी, जिसका वजन 12 चक्का ट्रक के बराबर बताया जा रहा है।

अमेरिका जाएंगे पीएम मोदी, ट्रंप से मिलेंगे

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी फरवरी में अमेरिका का दौरा कर सकते हैं। यह जानकारी खुद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दी है. उन्होंने इस बारे में पोस्ट किया है। ट्रंप ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि मेरी भारतीय प्रधानमंत्री लंबी बातचीत हुई. वह अगले महीने शायद फरवरी में व्हाइट हाउस आ रहे हैं। भारत के साथ हमारे अच्छे संबंध हैं। मोदी ने इससे पहले 7 नवंबर को राष्ट्रपति चुनाव जीतने के तुरंत बाद ट्रंप से बात की थी।

लोकरंग का आयोजन

रविन्द्र भवन में लोकरंग का आयोजन किया गया।

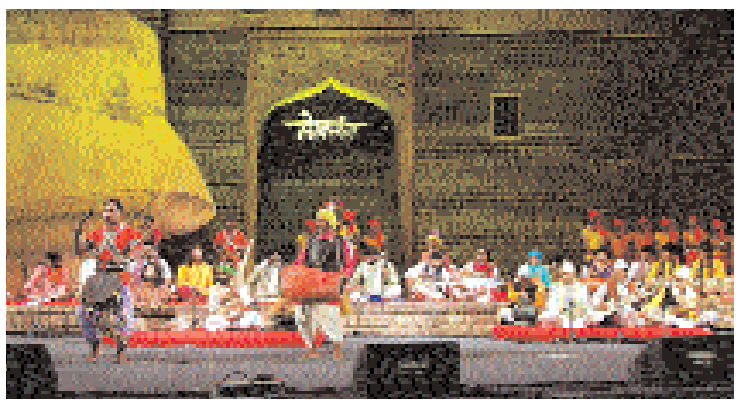

भाभा विश्वविद्यालय में मनाया गया गणतंत्र दिवस समारोह

भोपाल, दोपहर मेट्रो। भाभा विश्वविद्यालय भ में गणतंत्र दिवस पर भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कर्नल कृष्ण प्रताप सिंह एवम विशिष्ट अतिथि लेफ्टिनेंट कर्नल ईशान राजारावापू के गरीमामई उपस्तिथि में विश्व विद्यालय के माननीय कुलगुरु डॉ दिलीप कुमार डे द्वारा ध्वजारोहण किया गया एवं आवाहन किया की हम सभी जहाँ जिस भी जगह कार्यरत हैं देश को विकासशील से विकसित देश बनाने में अपनी भूमिका सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा की हमने आजादी के बाद कई बड़ी उपलब्धियां हासिल की हैं कुलसचिव डॉ श्याम पाटकार ने विश्व विद्यालय का वार्षिक रिपोर्ट पर कहा कि हमारा विश्व विद्यालय विश्व-मंच पर एक नए गौरव के साथ उभरा है और विश्व विद्यालय विकास के नए प्रयासों से सभी को अवगत कराया। जिसके अंतर्गत सोलर एनर्जी बेस्ड व्हीकल,ड्रोन टेक्नोलॉजी, ग्रीन एनर्जी के क्षेत्रों में विश्व विद्यालय द्वारा उल्लेखनीय कार्य किया जा रहा द्य

देहदान जागरूकता व स्वास्थ्य शिविर का आयोजन हुआ

भोपाल. दोपहर मेट्रो। गणतंत्र दिवस पर अंग दान ,देहदान जागरूकता एवं स्वास्थ्य शिविर का आयोजन गहोई डाक्टर क्लब द्वारा आयोजित किया गया जिसमें मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ प्रभाकर तिवारी एवं किरण फाउंडेशन के डॉ राकेश भार्गव ने भाग लिया गहोई डाक्टर क्लब के अध्यक्ष डॉ राजेश कठल ने बताया कि शिविर में 5 लोगों ने पूर्ण देहदान तथा 4 लोगों ने नेत्र दान हेतु रजिस्ट्रेशन करा कर फार्म भरा,115 मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा 37 की जांचे की गई।

डॉक्टरों के 38 में 35 और नर्सेस के 94 में 83 खाली,स्पेशलिस्ट 18 में 17 पद खाली

4.50 लाख बीमितों को असुविधा, इलाज से लेकर जांच तक में झेलनी पड़ रही परेशानी

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

राजधानी के सोनागिरी इलाके पर स्थित बीमा अस्पताल में मरीजों को इलाज के लिए परेशान होना पड़ रहा है। अभी हाल में एक महिला मरीज की इलाज के दौरान मौत हो जाने के बाद फिर से सुर्खियों में है। बता दें कि अस्पताल में डॉक्टर्स और नर्सेस सहित अन्य के स्वीकृत पदों में से 90 फीसदी पद खाली हैं जिसके कारण बेहतर ट्रीटमेंट मरीजों को नहीं मिल पाता है। बावजूद इसके इनके भर्ती किए जाने को लेकर कोई पहल नहीं की जा रही है। इधर,अस्पताल में बीमितों और आश्रितों को बेहतर इलाज न मिलने के चलते परेशान होना पड़ रहा है।

अभी ये है स्थिति: बीमा अस्पताल का संचालन पहले राज्य के द्वारा किया जा रहा था,लेकिन केंद्र सरकार के टेकओवर के बाद सुविधाएं और बदहाल हो गईं। ईएसआईसी संगठित और असंठित क्षेत्रों के मजदूरों से करोड़ों रुपये की बीमित राशि वसूली ज रही है,लेकिन सुविधाओं के नाम पर खानापूर्ति ही करती है। सोनागिरी बीमा अस्पताल में मरीजों

को बेहतर सुविधाएं मिलता तो दूर सामान्य ट्रीटमेंट के भी लाले पड़ रहे हैं। अस्पताल में स्वीकृत पदों में 90 फीसदी पद डॉक्टर,नर्सेस स्टाफ सहित अन्य के खाली हैं उनके भर्ती को लेकर विभागीय स्तर पर कोई पहल नहीं की जा रही है। जबकि टेकओवर के दौरान मल्टीस्पेशलिटी बनाने का दावा किया गया था। ऐसे में इसका खामियाजा बीमितों को भुगतना पड़ रहा है। वहीं जिम्मेदारों का कहना है कि अस्पताल में डॉक्टर्स सहित अन्य मेडिकल स्टॉफ की भर्ती और मेडिकल उपकरणों के लिए मांग पत्र मुख्यालय भेजा जा चुका है विभागीय स्वीकृति मिलते आगे की कार्रवाई की जाएगी।

4 फीसदी की होती कटौती

मजदूरों को हेल्थ सुरक्षा के लिए ईएसआईसी के तहत स्वास्थ्य बीमा की सुविधा प्रदान की गई है। जिसमें मूल वेतन में से 4 प्रतिशत की कटौती की जाती है। भोपाल,मंडीदीप के 4.50 लाख से बीमित शामिल हैं। जिनसे करोड़ों रुपये की बीमित राशि की वसूली की जाती है,लेकिन इलाज के लिए जाते हैं ना तो डॉक्टर्स मिल पाते और ना ही जांच की सुविधा।

ये होते हैं पात्र: विभागीय जानकारी के अनुसार इसका लाभ लेने के लिए बीमितों की अधिकतम आय 21 हजार और दिव्यांग बीमितों के लिए 25 हजार की मूल वेतन से आय का क्षेत्र निर्धारित है। इससे अधिक होने पर वह ऑटोमेटिक अपात्र हो जाता है। इसके अलावा रिटायर्ड कर्मचारी भी 120 की बीमित राशि जमा करके ईएसआईसी बीमा का लाभ प्राप्त कर सकतें हैं।

यातायात के नियम छाओं को समझाने पर सेमिनार आयोजित

भोपाल. दोपहर मेट्रो। भाभा विश्वविद्यालय में यातायात के नियम पर सेमिनार का आयोजन किया गया, जिसमें विश्वविद्यालय के छात्रों और कर्मचारियों को यातायात के नियमों के बारे में यातायात पुलिस भोपाल के एसीपी मिलन जैन,हेड कांस्टेबल गिरीश सारस्वत , अशोक कोहली ने जागरूक किया गया। सेमिनार में यातायात के नियमों के महत्व, उनके पालन के लाभ, और उनके उल्लंघन के परिणामों पर चर्चा की गई। सेमिनार के मुख्य वक्ता एसीपी मिलन जैन ने यातायात के नियमों के बारे में विस्तार से बताया और छात्रों और कर्मचारियों को यातायात के नियमों का पालन करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि यातायात के नियमों का पालन करना हमारे जीवन को सुरक्षित बनाने के लिए बहुत महत्वपूर्ण है और हमें अपने जीवन को सुरक्षित बनाने के लिए यातायात के नियमों का पालन करना चाहिए। अंत में विश्व विद्यालय के सीएओ विजय पुंज ने सभी यातायत के कर्मचारियों का आभार व्यक्त किया।

आम आदमी का ख्याल रखे, वित्त मंत्री, अमीरों का नहीं: आनंद

हिरदाराम नगर. एक फरवरी 2025 को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण बजट पेश करेंगी। बजट को लेकर अपेक्षाएं सामने आने लगी हैं। एससीआई के डायरेक्ट आनंद सबधाणी ने आम आदमी की अपेक्षाओं को लेकर अपनी उम्मीद रखी है।

सबधानी ने एक बयान में कहा है कि बड़े-बड़े बिजनेसमैन की लाखों-करोड़ों की क़र्ज़ माफ़ी योजना बंद होनी चाहिए। पेट्रोल एवं डीजल को भी जी.एस.टी के दायरे में लाना चाहिए, ऐसा करने से सभी लोगों को सीधा लाभ होगा। मध्य वर्ग को राहत देने के लिए टैक्स फ्री इनकम टैक्स के स्लैब को दस लाख तक कर देना चाहिए। गृहिणियों का ख्याल रखते हुए रोजाना उपयोग में आने वाले घरेलू वस्तुओं एवं खाद्य पदार्थों पर लगने वाला जी.एस.टी खत्म किया जाना चाहिए। घरेलू बिजली के बिल एवं डोमेस्टिक गैस सिलेंडर में सब्सिडी दी जानी चाहिए। सबधाणी ने कहा कि देश के अन्नदाता किसानों के कर्ज को माफ़ ना करते हुए, खेती को लाभ का धंधा कैसे बनाया जाए, इस ओर कार्य करना चाहिए।

कच्छ महोत्सव में पहुंची स्वदेशी जागरण मंच टीम

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

कच्छ रेगिस्तान के सफेद रण कहे जाने धोलावीरा में बीते दिनों स्वदेशी चिंतन का आयोजन किया गया। स्वदेशी जागरण मंच की मध्य भारत प्रान्त सह प्रमुख सीमा भारद्वाज गुजरात के प्रवास पर थी। इस दौरान जब वे कच्छ रेगिस्तान के सफेद रण धोलावीरा पहुंचीं, जो कर्क रेखा पर स्थित है तो उन्होंने यहां अन्य राज्यों के विद्यार्थियों के साथ की चर्चा करते हुए स्वदेशी जागरण मंच के स्वावलंबी भारत अभियान और डिजिटल हस्ताक्षर अभियान से अवगत कराया। इसके साथ ही उन्होंने मंच की वेबसाइट के बारे में भी विद्यार्थियों को बताया। इसके साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि अपने जीवन में वे हमेशा स्वदेशी वस्तुओं का ही उपयोग करें। इस दौरान उन्होंने स्वदेशी वस्तुओं के पत्रक भी विद्यार्थियों के बीच वितरित किए। इस पर विद्यार्थियों ने स्वदेशी नारे लगाते हुए स्वदेशी वस्तुओं के उपभोग करने का संकल्प लिया। इसके बाद वे यहां चल रहे कच्छ महोत्सव में भाग लेने पहुंचीं, जहां युवतियों और महिलाओं से कच्छ की हस्तकला के बारे में चर्चा करते हुए स्वदेशी अपनाने पर जोर दिया। इस दौरान महोत्सव में आई हुई महिलाओं ने उन्हें कच्छ की हस्तकलाओं की विस्तृत जानकारी दी और बतताया कि अपने पारंपरिक वस्त्रों पर

कढ़ाई कैसे की जाती है। इसके साथ ही बांधनी पर भी चर्चा की। वहीं समारोह में मिट्टी के बर्तन लेकर आईं महिला कारीगरों से बात की। भारद्वाज ने उनके उत्पादों का सराहा और मध्यप्रदेश में उस कार्य को सीखने के लिए बात की।

फिटजी के खिलाफ भड़क रहा गुस्सा

भोपाल. दोपहर मेट्रो। कोचिंग संस्थान फिटजी के खिलाफ आज राजधानी में कोचिंग सेंटर के बाहर धरना प्रदर्शन का दौर है। अभिभावकों का कहना है कि इसको लेकर कलेक्ट्रेट और पुलिस में शिकायत भी दर्ज कराई है। मगर हमें अभी तक प्रशासन या पुलिस की तरफ से कोई भी जवाब नहीं मिला है। इसे लेकर कई छात्रों के पेरेंट्स आज अपना विरोध दर्ज करने के लिए पहुंचेंगे। बता दें कि इससे चार दिन पहले भी यह पेरेंट्स फिटजी इंस्टीट्यूट पर पहुंचे थे। बताया जा रहा है कि अभिभावकों को बीते माह से जानकारी मिली कि फिटजी कोचिंग बंद हो गई है। इसके चलते इस घटना से करीब 700 अभिभावकों के पैसे फंस गए हैं। दूसरी तरफ फिटजी के सेंटर हेड ने एक पत्र जारी कर लिखा है कि उनके हाथ में कुछ भी नहीं है पेरेंट्स अपनी रकम दिल्ली सेंटर से मांगे।

सेवा भारती के साथ छात्राओं ने उतारी मां भारती की आरती

समाज के शोषित वर्ग के उत्थान का दायित्व सभी का संकल्प

हिरदाराम नगर. संत हिरदाराम गर्ल्स हॉस्टल में सेवा भारती युवाम के तत्वावधान में भारत माता की आरती की गई। सेवा भारती यूवाम के प्रांतीय संयोजक संकल्प दीक्षित ने सेवा भारती के विजन और चल रहे प्रकल्प की जानकारी दी । सेवा भारती क संकल्प दीक्षित ने कहा समाज के शोषित वर्ग की सेवा करना हमारा दायित्व है। सेवा भारती का मानना है सेवा के लिए सभी का सहयोग जरूरी है। नारी शक्ति के बिना तो यह संभव ही नहीं है। सेवा भारती के आदर्श केवल स्वामी विवेकानंद ही नहीं है मां सावित्री बाई फुले भी हमारी आदर्श है। सावित्री बाई फुले के योगदान का यह देश हमेशा ऋण रहेगा। मेरा मानना है युवा वर्ग सेवा की राह पर चले, लेकिन मार्गदर्शन और सहयोग सभी का मिलना चाहिए। इस अवसर पर हीरो ज्ञानचंदानी ने कहा कि सेवा करने वाला हर व्यक्ति और संस्था हमारा साथी है, हमारा मित्र है। सेवा के लिए हर सहयोग के लिए हम हमेशा साथ रहेंगे। इस अवसर पर सेवा भारती युवाम के नगर प्रमुख कार्तिक सक्सेना, निशा सक्सेना सदस्य महिला आयोग और अजीत सक्सेना भी उपस्थित थे। छात्रावास की छात्राओं ने मां भारती की आरती उतारकर सेवा का संकल्प दोहराया।

मेट्रो एंकर गणतंत्र दिवस पर सिन्धी साहित्य अकादमी ने किया कवि सम्मेलन

गुलामी के समय साहित्यकारों ने राष्ट्रीय चेतना का किया संचार

हिरदाराम नगर. दोपहर मेट्रो।

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के दौरान सिन्ध में ब्रिटिश सरकार के खिलाफ आमजन में राष्ट्रीय चेतना का संचार कर स्वाधीनता की ज्योति जगाने वाले कवियों और साहित्यकारों के योगदान को हमें सदैव स्मरण रखना चाहिए, वर्तमान में भी ये अपनी लेखनी से समाज व राष्ट्र के प्रति अपना दायित्व निभा रहे हैं,यह बात विधायक एवं भाजपा प्रदेश महामंत्री भगवानदास सबनानी ने सिन्धी साहित्य अकादमी द्वारा आयोजित सिन्धी कवि सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में कही।

मध्यप्रदेश सिन्धु भवन ट्रस्ट के सहयोग से सिन्धु भवन में आयोजित इस कार्यक्रम में ट्रस्ट के अध्यक्ष राजेंद्र मनवानी के स्वागत भाषण के बाद प्रख्यात सिन्धी गायक नरेश गिदवानी ने सिन्धी में देशभक्तिपूर्ण गीत भी प्रस्तुत किये।माँ भारती तथा वरुणावतार श्री झूलेलाल जी के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलन के पश्चात नरेश गिदवानी ने जागु सिन्धी, पाण सुञाणु सिन्धी... गाकर उपस्थित

श्रोताओं को अपने सिन्धी होने पर गर्व करने का एहसास जगाया तो इसके बाद उन्होंने अपनी मधुर आवा? में अमर बलिदानी हेमू कालाणी के बलिदान की गाथा सांगीतिक रूप से प्रस्तुत की।

इसके बाद कवि अशोक जमनानी के संचालन में सिन्धी काव्य सम्मेलन की शुरुआत हुई,सबसे पहले भगवान बाबाणी ने सैनिकों के सम्मान में अपनी रचना प्रस्तुत करते हुए कहा हथ में हथियार को खणी बि त डिसु,जंग सरहद ते लड़ी बि त डिसु,अमर थी वेंदें तूं सदा जे लाइ, हिकु दड़ो मुल्क लाइ मरी बि त डिसु... हर्षा मूलचंदानी ने निरन्तर विकास की ओर बढ़ रहे भारत में उन्नत तकनीक के योगदान की बात अपनी कविता के माध्यम से कही तो कनयो शेवाणी ने अपनी कविता अमर बलिदानी हेमू कालाणी को समर्पित करते हुए कहा परवाननि सां साणु सुहां हां, हेमूअ वांगुरु मां बि हुजां हां..., इसके बाद नारी लच्छवानी ने सभी देशभक्तों के सम्मान में अपनी रचना प्रस्तुत की घोरिया जिनि पंहिंजा तन-मन, तिनि खे साराहियो आहे वतन..., ओमप्रकाश टहिल्याणी पखी ने सिन्ध के बिना हिन्द को अधूरा बताते हुए अपनी पीढ़ा कुछ यूं बयान की लिखी सिन्ध टैगोर वियो जन गण में जेका, ऊहा सिन्ध देश जे कहिं कुंड में नाहे..., इसके बाद द्रौपदी चंदनानी ने माहौल को रुमानवी बनाते हुए एकल प्रस्तुत की तो कन्हैयालाल मोटवानी मांदो ने वीर जवानों की हौसला आई करते हुए कहा ऐ जवानों हिन्द जा,हिन देस खे सींगारजो,जे मुसीबत का अचे,हिम्मत न पहिंजी हार जो...कवि सम्मेलन का संचालन अशोक जमनानी ने किया। कार्यक्रम के अंत मे अकादमी निदेशक राजेश कुमार वाधवानी ने उपस्थित श्रोताओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

शहर के बाद ग्रीन वन लेकर आएगी सरकार

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

शहर वन विकसित करने में जुटी सरकार अब ग्राम वन भी लाने जा रही है। इसकी तैयारी तेज कर दी है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग इसकी तैयारी कर रहा है। इसका मकसद पंचायतों को प्राकृतिक रूप से हरा-भरा बनाना है। इसके लिए पंचायतों को फंड आवंटित किया जाएगा। इसके तहत काम होंगे।

असल में सरकार मुख्य शहरों के आसपास व अंदर स्थित खाली लैंडबैंक पर वन क्षेत्र विकसित कर रही है। अधिकारियों का कहना कहना है जिस हिसाब से शहरों में आबादी बढ़ रही है उस अनुपात में हरियाली व वन क्षेत्र भी चाहिए। यदि इसकी भरपाई नहीं की तो संतुलन बिगड़ने का खतरा होगा। ठीक यही स्थिति ग्रामीण क्षेत्रों में भी बन रही है क्योंकि कई ग्रामों में तेजी से वन आवरण घटा है।

... क्योंकि शहरों की तरह गांवों में भी तेजी से घटी है हरियाली

समितियों को बनाया जाएगा सशक्त

ग्राम वन समितियों को सरकार सशक्त बनाएगी। ऐसा करके इन समितियों की कई दिशा में मदद ली जानी है। सबसे बड़ी मदद वनों की सुरक्षा व वनों को आग से बचाने की दिशा में किया जाएगा। हर साल विभाग समितियों की मदद लेकर कई दिशा में अच्छा प्रदर्शन करता रहा है। वन विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि ग्राम वन विकसित करने में भी इन्हीं समितियों की मदद ली जाएगी।

किसानों की जमीन पर बांस रोपण को फिर दिया जाएगा बढ़ावा

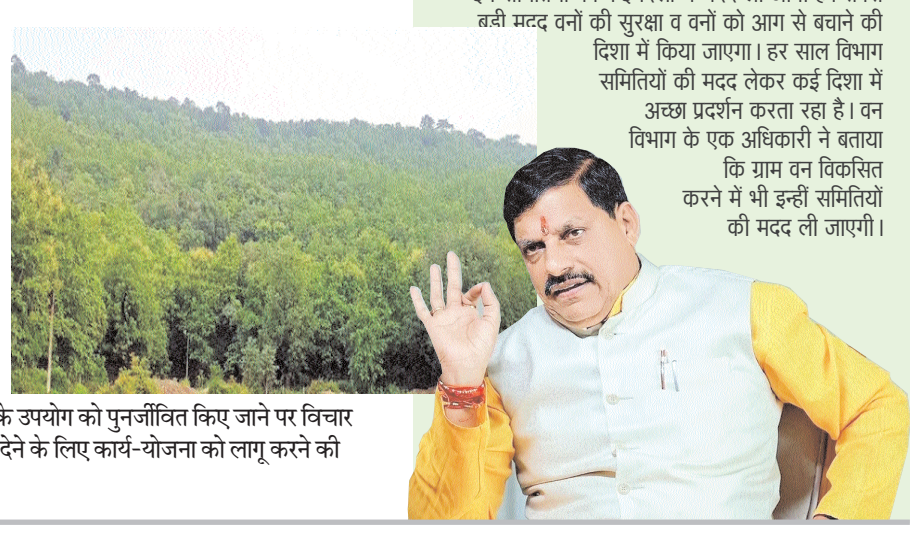

किसानों की निजी भूमि पर बांस रोपण को फिर से बढ़ावा दिया जाएगा। पूर्व में भी इस पर काम किया जा चुका है लेकिन यह सफल नहीं हुआ था, क्योंकि बीच में काम बंद हो गया था। वन समितियों के माध्यम से वन विकास अभिकरण का उपयोग कर राशि के उपयोग को पुनर्जीवित किए जाने पर विचार हुआ। ट्री-आउटसाइड फॉरेस्ट को ब?ावा देने के लिए कार्य-योजना को लागू करने की दिशा में भी काम किया जा रहा है।

12एस ए एस अफसरों का तबादला

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

राज्य सरकार ने आईएएस अफसरों के साथ ही कल देर रात राज्य प्रशासनिक सेवा के 12 अफसरों का भी तबादला किया है। इनमें से 10 को जिला पंचायत सीईओ का जिम्मा दिया। जबकि मुरैना जिला पंचायत सीईओ रहे इच्छित गढ़पाले को उप सचिव गृह बना दिया है। वहीं मुख्य सचिव कार्यालय में उप सचिव रहे उमराव सिंह मरावी को फील्ड पोस्टिंग दी है। उन्हें पन्ना जिला पंचायत सीईओ बनाकर भेजा है।

नाम	वर्तमान पदस्थापना	नवीन पदस्थापना
- नंदा भलावे कुशरे	उप संचालक प्रशासन अकादमी	सीईओ जिपं आगर मालवा
- राकेश कुशरे	उप सचिव- पंचायत एवं ग्रामीण विभाग	उप सचिव तकनीकी शिक्षा एवं कौशल
	विकास-इला तिवारी, उप सचिव पीएचई	सीईओ जिपं भोपाल
- अभिषेक दुबे	उप सचिव स्वास्थ्य	सीईओ जिपं गुना
- लता शरणागत	उप सचिव भोपाल गैस त्रासदी	सीईओ जिपं बुरहानपुर
- इच्छित गढ़पाले	सीईओ जिपं मुरैना	उप सचिव गृह
- मेहताब गुर्जर	मुख्य प्रबंधक मध्य क्षेत्र विद्युत कंपनी	सीईओ जिपं रीवा
- उमराव सिंह मरावी	उप सचिव मुख्य सचिव कार्यालय	सीईओ जिपं पन्ना
- प्रवीण फुलपगारे	अपर कलेक्टर देवास	सीईओ जिपं दमोह
- ओमप्रकाश सनोडिया	महा प्रबंधक वेयर हाउसिंग कार्पोरेशन	सीईओ जिपं विदिशा
- अनुकूल जैन	अपर कलेक्टर उज्जैन	सीईओ जिपं मंदसौर
- अभिषेक गेहलोत	मुख्य महाप्रबंधक मप्र भवन विकास निगम	सीईओ जिपं जबलपुर

10वीं व 12वीं की परीक्षा 24 फरवरी से

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) की 10वीं व 12वीं की परीक्षा 24 फरवरी से शुरू हो रही है। इस बार विद्यार्थियों को मुख्य उत्तर पुस्तिका में ही पूरा प्रश्न पत्र हल करना होगा। यह उत्तर पुस्तिका 32 पेज की होगी। अभी तक 20 पेज की उत्तर पुस्तिका दी जाती थी। उत्तर पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर बार कोड भी लगा रहेगा, जिससे इसके हेरफेर की संभावना नहीं रहेगी। विद्यार्थी को विद्यार्थियों को सप्लीमेंट्री कॉपी नहीं मिलेगी। बोर्ड परीक्षा को लेकर सोमवार को माशिमं और स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारियों की साधारण सभा की बैठक आयोजित की गई।

उत्तर पुस्तिका की सिलाई उखड़ी या टूटी तो माना जाएगा नकल : इस साल दोनों कक्षाओं के 16.61 लाख विद्यार्थी परीक्षा में शामिल होंगे। साथ ही परीक्षा कार्य में करीब 45 हजार अधिकारी, शिक्षक व कर्मचारी शामिल होंगे। बैठक में यह निर्णय भी हुआ कि सिलाई खुली हुई उत्तर पुस्तिका को नकल प्रकरण में दर्ज किया जाएगा। बैठक में परीक्षा संबंधी जरूरी व्यवस्था को लेकर भी चर्चा हुई। नकल पर रोक लगाने के लिए कई कदम उठाए जा रहे हैं। इस बार प्रश्नपत्रों के बंडलों को थाना से निकालने और वितरित करने में कई सुरक्षा प्रबंध किए गए हैं। अगर उत्तर पुस्तिका की सिलाई उखड़ी, टूटी या कम पेज की पाई गई तो ऐसी उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा, बल्कि नकल का केस दर्ज होगा। परीक्षा के दौरान इसका भी ध्यान रखा जाएगा कि उत्तरपुस्तिका की सिलाई उखड़ी या टूटी होने पर किसी भी विद्यार्थी को वितरित न की जाए।

10वीं की परीक्षा- 27 फरवरी से 21 मार्च तक
12वीं की परीक्षा- 25 फरवरी से 25 मार्च तक
10वीं के विद्यार्थियों की संख्या- 9.54 लाख
12वीं के विद्यार्थियों की संख्या- 7.07 लाख
कुल विद्यार्थियों की संख्या- 16.61 लाख
परीक्षा केंद्रों की संख्या- 3887
संवेदनशील व अति संवेदनशील केंद्र- 562
उड़नदस्तों की संख्या- 1000
कलेक्टर प्रतिनिधि की संख्या- 3887
प्रेक्षकों की संख्या- 562
केंद्राध्यक्ष व सहायक केंद्राध्यक्षों की संख्या- 15 हजार
परीक्षा में शामिल कुछ कर्मचारियों की संख्या- 45 हजार

9वीं और 11वीं परीक्षा, 15 अप्रैल तक सुधार का मौका

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

कक्षा नौंवी और ग्याहरवीं के स्टूडेंट ने परीक्षा फॉर्म जमा करने के दौरान अगर कोई गलती की है तो वे उसमें सुधार करा सकते हैं। इसके लिए 15 अप्रेल तक वे आवेदन जमा करा सकेंगे। इसके संबंध में माध्यमिक शिक्षा मंडल ने निर्देश जारी किए गए हैं। कुछ शर्तों के साथ नए नामांकन भी हो सकेंगे। 500 रुपए शुल्क लगेगा। दोनों परीक्षाओं में करीब 18 लाख स्टूडेंट शामिल होंगे। कक्षा 9वी व 11वीं की परीक्षाएं 3 फरवरी से शुरू हो रही है। बोर्ड ने दोनों कक्षाओं के स्टूडेंट से नामांकन फार्म

जमा कराए थे। इस नामांकन में दी गई जानकारी के आधार पर ही बोर्ड की मार्कशीट तैयार होगी। नामांकन के दौरान कुछ गलतियो की बात सामने आई। जिसके चलते मंडल जानकारी में सुधार करेगा। स्टूडेंट को एक मौका दिया गया है। कक्षा नौंवी के छात्र विषय, माध्यम, नाम की स्पेलिंग, जन्मतिथि और फोटो की गलतियों में सुधार करा सकेंगे। कक्षा ग्यारहवीं के स्टूडेंट को इस दौरान विषय, संकाय और परीक्षा में भाषा का माध्यम बदलने की सुविधा होगी। सुधार के लिए पांच सौ रुपए शुल्क तय हुआ। 15 अप्रेल अंतिम तारीख है। इसके बाद 500 रुपए विलंब शुल्क के साथ सुधार कराया जा सकेगा।

मध्यप्रदेश - जापान
अनंत संभावनाओं की साझेदारी
MPIDC
MP INDUSTRIAL DEVELOPMENT CORPORATION LTD.

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री
डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री
डॉ. मोहन यादव
द्वारा
मध्यप्रदेश की निवेश संभावनाओं पर
इंटरैक्टिव सेशन
28-31 जनवरी, 2025
टोक्यो, ओसाका, कोबे
जापान

आगामी
इन्वेस्ट मध्यप्रदेश
अनंत संभावनाएँ
ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट
24 25 फरवरी 2025, भोपाल

पंजीकरण के लिए स्कैन करें
www.investmp.in
INDUSTRY PARTNER CII Confederation of Indian Industry
KNOWLEDGE PARTNER EY Shape the future with confidence
D11170/24

सीधा प्रसारण @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh @Cmmadhyapradesh @jansamparkMP JansamparkMP

संपादकीय

कूटनीतिक कामयाबी के सही मायने

दिल दहला देने वाले मुंबई आतंकी हमलों की याद आज भी दिल दहला जाती है। तब जो हुआ था, उसे दुनिया का सबसे बर्बर आतंकी हमला माना जा सकता है। उसके बाद उसमें शामिल आतंकवादियों को पकड़ने से लेकर सजा तक पहुंचाने को लेकर समूचे सरकारी तंत्र ने जितना संभव हो सका, किया। मगर अब भी कुछ ऐसे आतंकी देश के कानूनी दायरे से बाहर हैं, जो किसी तरह अन्य देशों में भाग गए, उन्हें वापस लाने के लिए वहां की कानूनी प्रक्रिया का सामना करना पड़ रहा था। अब बड़ी सफलता मिल गई है। काफी समय से भारत हर स्तर पर उन अपराधियों को सजा दिलाने की कोशिश करता रहा है। अब हमले के एक अभियुक्त तहव्वुर हुसैन राणा को अमेरिका से प्रत्यर्पित किए जाने की मांग उनमें से एक थी। तहव्वुर राणा इस मांग का विरोध कर रहा था और उसने अमेरीकी सुप्रीम कोर्ट में अपने प्रत्यर्पण के खिलाफ याचिका दाखिल की थी। मगर हाल में राणा की भारत को प्रत्यर्पित करने संबंधी पुनर्विचार याचिका को अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया है। इस तरह राणा को भारत लाकर उस पर कानूनी प्रक्रिया चलाने का रास्ता साफ हो गया है। दरअसल 2008 का मुंबई आतंकी हमला न केवल देशवासियों को स्तब्ध कर देने वाला था बल्कि इसने पूरी दुनिया को सकते में डाल दिया। जिस तरह समुद्री मार्ग से आए लश्कर-ए-तैयबा के दस आतंकवादियों ने भारत की वित्तीय राजधानी को बंधक सा बना लिया और यहां तीन दिनों तक आतंक का खेल खेलते रहे, उसे भुलाना मुश्किल है। इस हमले से जुड़े कई आतंकी इस दौरान मारे भी जा चुके हैं, लेकिन भारत की न्याय व्यवस्था का सामना करने की जहां तक बात है तो कसाब के बाद तहव्वुर राणा दूसरा प्रमुख चेहरा होगा। आतंक के इस खेल में मोहरे बने लोग भले सामने नजर आते हों, उनकी भूमिका नगण्य ही होती है। असल भूमिका इन्हें परदे के पीछे से बढ़ावा देने वाले उन लोगों की होती है जो आम तौर पर परदे के पीछे ही बने रहते हैं। तहव्वुर राणा का यह प्रत्यर्पण इस लिहाज से भी अहम है। वह न केवल मुख्य आरोपी डेविड कोलमैन हेडली का करीबी सहयोगी रहा बल्कि कनाडा जा बसने से पहले पाकिस्तान आर्मी में मेडकल ऑफिसर के तौर पर भी काम करता रहा है। आश्चर्य नहीं कि 26/11 केस में पब्लिक प्रॉसीक्यूटर रहे उज्ज्वल निकम समेत कई लोग मानते हैं कि यह प्रत्यर्पण इस मामले में पाकिस्तानी सुरक्षा प्रतिष्ठान से जुड़े अफसरों की भूमिका पर भी बेहतर ढंग से रोशनी डाल सकता है।ऐसे में बहुत महत्वपूर्ण है कि आने वाली चुनौतियों की गंभीरता को समझते हुए एक-एक कदम फूंक-फूंक कर बढ़ाया जाए। राणा की सुरक्षा सुनिश्चित करना और तमाम अंतरराष्ट्रीय मानकों का पालन करते हुए आगे बढ़ना जितना जरूरी है, उतना ही महत्वपूर्ण है कूटनीतिक मोर्चे पर सावधानी बनाए रखना। तभी इस मामले की अंतरराष्ट्रीय साजिश से जुड़ी तमाम परतों को खोलना और इसमें शामिल सभी तत्वों को बेनकाब करना संभव हो पाएगा। उम्मीद है कि ब तमाम एजेंसी और सरकार इस मामले द्व के हर पहलू को ध्यान में रखकर बढ़ती रहेगी।

शिक्षा स्वास्थ्य के चुनावी वायदों पर बजट और घोटालों की सीमाएं

■ आलोक मेहता

चुनावी घोषणा या संकल्प पत्रों में हर राजनीतिक पार्टी एक बढ़कर एक लुभावने वायदें जनता के सामने पेश करती है। दुनिया के किसी अन्य लोतांत्रिक देश में इतने दावे नहीं होते। भारत ही नहीं अमेरिका ब्रिटेन जर्मनी जैसे संपन्न देश या अफ्रीका के घाना बुर्किना फासो जैसे छोटे विकासशील देश में भी बच्चों की शिक्षा और हर परिवार के लिए स्वास्थ्य सुरक्षा सबसे महत्वपूर्ण मुद्दा रहता है। इस दृष्टि से दिल्ली विधान सभा के चुनाव में भारतीय जनता पार्टी , कांग्रेस और आम आदमी पार्टी ने जन समर्थन के लिए मुफ्त शिक्षा और स्वास्थ्य सुरक्षा की गारंटी जैसे वायदे किए हैं। लेकिन सवाल उठता है कि उन्होंने पिछले वर्षों के दौरान इन क्षेत्रों में जनता को कितनी सुविधाएं और राहत दी ? इसी मानदंड पर उनके वायदों पर भरोसा किया जा सकता है। वहीँ सामान्य नागरिक समझने लगा है कि सब कुछ मुफ्त नहीं मिल सकता , क्योंकि न तो इतना सरकारी बजट होता है और न ही पहले बनाई गई व्यवस्था से उन्हें पर्याप्त मिल पाई। जो मिलता है वह जनता से विभिन्न मदों में करों के रुप से ही वसूला गया। इसलिए अब हवाई और झूठे चुनावी वायदों पर उन्हें भरोसा नहीं होता। भारत ही क्यों अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा द्वारा लाई गई 'ओबामा केयर स्वास्थ्य योजना' लम्बी छोड़ी बहस पक्ष विपक्ष के बाद 2010 में लागू की गई , उसकी प्रक्रिया आज तक जारी है और इस साल उससे कर का भार बढ़ना मुद्दा बना है। जबकि प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की सिफारिश के आधार पर 'आयुष्मान भारत स्वास्थ्य योजना' 2017 से लागू की और इससे देश के 34 राज्यों के कम आय वाले करीब 12 करोड़ परिवार यानी करीब 60 करोड़ लोगों को विश्वास के साथ बीमारी में पांच लाख रुपए की गारंटी मिल गई। फिर इस वर्ष तो 70 वर्ष से अधिक आयु वाले हर नागरिक को आयुष्मान भारत स्वास्थ्य बीमा का प्रावधान हो गया। मतलब करीब 6 करोड़ बुजुर्गों को स्वास्थ्य बीमा की गारंटी मिल गई। विश्व में ऐसी कोई योजना नहीं लागू हुई।

इस पृष्ठभूमि के बावजूद देश की राजधानी दिल्ली केंद्र शासित प्रदेश होते हुए सत्तारुढ़ मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल की जिद के कारण आयुष्मान भारत योजना का लाभ नहीं उठा सका। यही नहीं उसके विकल्प के नाम पर मोहल्ला क्लिनिक में करीब 350 करोड़ के घोटाले की जानकारी सी ए जी रिपोर्ट में होने के आरोप सामने आए हैं। मोहल्ला क्लिनिक ही नहीं दिल्ली सरकार के अस्पतालों में पर्याप्त संसाधन नहीं होने या गरीबों को समय पर इलाज न मिलने की स्थितियां बनी हुई हैं। सरकारी स्कूलों की इमारतों की चमक दमक भले ही बढ़ गई , लेकिन शिक्षकों की कमी और अन्य सुविधाओं का अभाव है। अब चुनाव में आम आदमी पार्टी संजीवनी योजना के तहत 60 वर्ष से ऊपर के सभी बुजुर्गों को इलाज की सुविधा। छात्रों को डीटीसी बसों में यात्रा फ्री। केंद्र की मदद से मेट्रो के किराए में 50% की छूट जैसे वायदे कर रही है। दूसरी तरफ भारतीय जनता पार्टी ने दिल्ली के युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए 15,000 रुपये की एकमुश्त वित्तीय सहायता दी जाएगी। दो बार की यात्रा और आवेदन शुल्क की प्रतिपूर्ति भी होगी। जरुरतमंद छात्रों को नर्सरी से पोस्ट ग्रेजुएट तक मुफ्त शिक्षा तथा अनुसूचित जाति वर्ग के छात्रों को हर महीने एक हजार रुपये की मदद तथा 70 साल से अधिक आयु के लोगों को 10 लाख रुपये का बीमा कवर देने का चुनावी वायदा किया है। दिलचस्प बात यह है कि केजरीवाल पुजारियों को मदरसों के उस्तादों की तरह 18 हजार रुपए मासिक देने या महिलाओं को ढाई हजार रुपए महीना मिलने के सपने बेच रही है। इतने भारी खर्च के लिए धन कहाँ से आएगा , इसका जवाब उनके नेता जनता को नहीं बता पा रहे हैं। इसी तरह कांग्रेस पार्टी महिलाओं युवको आदि को हजारों रुपए देने के वायदों से भ्रमित कर रही है।

बहरहाल चुनाव तो आते जाते हैं। शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्रों में राष्ट्रीय स्तर पर लाभकारी योजनाओं को लागू करना हर प्रदेश की राज्य सरकार का कर्तव्य होना चाहिए। भारत की शिक्षा प्रणाली को बदलने में ऐसा ही एक साहसिक और दूरदर्शी कदम नई शिक्षा नीति 2024 है। यह अधिक समग्र, लचीला और छात्र-केंद्रित होगा ताकि यह उन्हें चुनौतियों का सामना करने और 21वीं सदी के अवसरों का लाभ उठाने के लिए तैयार करे। यह नीति रटने की विद्या, मीठे और तनावपूर्ण परीक्षाओं के बजाय आलोचनात्मक सोच, कल्पना और समस्या-समाधान कौशल पर जोर देती है। देश शिक्षा की इस प्रणाली को अधिक समावेशी, अधिक न्यायसंगत और अधिक गतिशील बनाने के लिए इन आवश्यक सुधारों को लागू करने की राह पर चल पड़ा है, साथ ही भारत वैश्विक ज्ञान महाशक्ति के रूप में अपनी सही स्थिति स्थापित करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

हाल ही में केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा हरी झंडी दी गई नई शिक्षा नीति 2024, देश में शिक्षा के विशाल परिदृश्य में नया क्षितिज है। शिक्षा नीति 2020 के अनुवर्ती के रूप में, नीति कई महत्वपूर्ण सुधारों पर जोर देती है जो भारतीय शिक्षा को अधिक संपूर्ण, लचीला और 21वीं सदी की मांगों के अनुकूल बनाएंगे। यहाँ उन प्रमुख परिवर्तनों पर विस्तृत जानकारी दी गई है जिनकी अपेक्षा की जा सकती है और वे शैक्षिक क्षेत्र को कैसे प्रभावित कर सकते हैं। सरकार ने शिक्षा क्षेत्र में बड़े बदलाव की घोषणा भी की है। 2025 से लागू होने वाले ये नए नियम छात्र-छात्राओं के लिए कई महत्वपूर्ण परिवर्तन लेकर आएंगे। इन नियमों का उद्देश्य शिक्षा को अधिक प्रासंगिक, समावेशी और गुणवत्तापूर्ण बनाना है। नई शिक्षा नीति के तहत लाए जा रहे ये बदलाव स्कूली शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा तक के सभी स्तरों को प्रभावित करेंगे। इन नए नियमों में कई महत्वपूर्ण बदलाव शामिल हैं, जैसे शिक्षा की नई संरचना, बोर्ड परीक्षाओं में बदलाव, व्यावसायिक शिक्षा पर जोर, और डिजिटल शिक्षा का विस्तार। इसके अलावा, छात्रों को अधिक लचीलापन और विकल्प दिए जाएंगे ताकि वे अपनी रुचि और क्षमता के अनुसार पढ़ाई कर सकें।

शिक्षा में प्रौद्योगिकी शिक्षा प्रदान करने और उस तक पहुँचने के तरीके में क्रांतिकारी बदलाव ला रही है, जिससे यह अधिक समावेशी और परिणामोन्मुखी बन रही है। डिजिटल कक्षाओं से लेकर ऑनलाइन संसाधनों तक, प्रौद्योगिकी का एकीकरण शहरी-ग्रामीण विभाजन को पाटने के लिए महत्वपूर्ण है, यह सुनिश्चित करता है कि दूरदराज के क्षेत्रों में भी छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले। यह बदलाव नई शिक्षा नीति के लक्ष्यों के साथ पूरी तरह से मेल खाता है, जो एक आकर्षक और न्यायसंगत शिक्षण वातावरण बनाने के लिए प्रौद्योगिकी के उपयोग के महत्व पर जोर देता है।साइबर स्कूल मैनेजर इस शैक्षिक परिवर्तन का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध है। स्कूल प्रबंधन सॉफ़्टवेयर स्कूलों को नई शिक्षा नीति को प्रभावी ढंग से लागू करने में मदद करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। शिक्षक ऐप का उपयोग गतिविधि-उन्मुख सीखने की सुविधा के लिए कर सकते हैं, ऐसे कार्य और प्रोजेक्ट असाइन कर सकते हैं जो व्यावहारिक, वास्तविक दुनिया के अनुप्रयोगों पर नीति के फ़ोकस के साथ संरेखित हों। इसके अतिरिक्त, प्रवेश प्रबंधन मॉड्यूल , पाठ्यक्रम प्रबंधन के साथ एकीकृत है, स्कूलों को संचालन को सुव्यवस्थित करने की अनुमति देता है।

इसी तरह मोदी सरकार ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) को भी 5 साल के लिए बढ़ा दिया है। एनएचएम से 12 लाख स्वास्थ्यकर्मी जुड़े हुए हैं। राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन (एनएचआरएम) की शुरुआत 2005 में की गई थी, जिसे कई बार बढ़ाया गया। एनएचएम की अवधि आखिरी बार 2021 में बढ़ाकर 2026 तक के लिए कर दिया गया था।सार्वजनिक स्वास्थ्य पर योजना के असर को देखते हुए यह कदम उठाया गया है। सरकार ने कहा है कि 'भारत में स्वास्थ्य सुधारों, खासकर कोविड-19 महामारी के दौरान में मिशन की भूमिका अहम रही है। इसने स्वास्थ्य सेवाओं को पहुंच के भीतर बनाने और गुणवत्तायुक्त स्वास्थ सेवाएं देने में मदद पहुंचाई है।' मिशन के प्रयासों से स्वास्थ्य क्षेत्र में अहम बदलाव हुआ है और भारत 2030 तक के सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) के तहत स्वास्थ्य लक्ष्यों पर सही दिशा और समय से आगे चल रहा है। वर्ष 2012 में राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन की अवधारणा बनाई गई और एनआरएचएम को दो उप-मिशनों यानी एनआरएचएम और एनयूएचएम के साथ राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के रूप में पुनः नामित किया गया।मिशन के निरंतर प्रयासों ने भारत के स्वास्थ्य सेवा परिदृश्य में नाटकीय परिवर्तन लाने में सफलता प्राप्त की है। सबसे बड़ी चुनौती यह है कि संविधान में शिक्षा और स्वास्थ्य राज्य सरकारों के अधीन है और वे पक्षपात , भ्र्ष्टाचार के घोटालों से बचकर भविष्य के लिए सम्पूर्ण समाज के लिए लाभकारी कार्यक्रमों को क्रियान्वित करें।

(: यह लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं,)

शुष्क भूमि विस्तार से उपजा मानवीय संकट

■ मुकुल व्यास

हाल के दशकों में पृथ्वी की तीन-चौथाई से अधिक भूमि स्थायी रूप से शुष्क हो गई है। जलवायु संकट के प्रभावों से जूझ रही दुनिया के लिए शुष्क भूमि का विस्तार होना नई चिंता पैदा करता है। मरुस्थलीकरण से निपटने के लिए संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन द्वारा जारी की गई रिपोर्ट से पता चलता है कि 2020 तक के तीन दशकों में पृथ्वी की लगभग 77.6 प्रतिशत भूमि ने पिछले 30 साल की अवधि की तुलना में शुष्क परिस्थितियों का अनुभव किया। उन्हीं तीन दशकों में, शुष्क भूमि का विस्तार लगभग 43 लाख वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में हुआ जो अंटार्कटिका को छोड़कर पृथ्वी की सभी भूमि का 40.6 प्रतिशत हिस्सा है। इस समय सीमा के भीतर, वैश्विक भूमि का लगभग 7.6 प्रतिशत क्षेत्र शुष्कता की सीमा को पार कर गया। अधिकांश आर्द्र भू-भाग शुष्क भूमि में परिवर्तित हो गए, जिससे कृषि, पारिस्थितिकी तंत्र और उन पर निर्भर लोगों पर गहरा असर पड़ा।

वैज्ञानिकों का कहना है कि यदि दुनिया ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन पर अंकुश नहीं लगाती है, तो इस सदी के अंत तक आज के आर्द्र क्षेत्रों का 3 प्रतिशत अतिरिक्त क्षेत्र शुष्क भूमि में परिवर्तित हो जाएगा। वैज्ञानिकों की नई रिपोर्ट वैश्विक शुष्कता रुझान तथा भविष्य के अनुमान के बारे में सऊदी अरब के रियाद में आयोजित संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन में प्रस्तुत की गई। यह अब तक का सबसे बड़ा संयुक्त राष्ट्र भूमि सम्मेलन था। पश्चिम एशिया में यह पहली बैठक थी। यह एक ऐसा क्षेत्र है जो शुष्कता के प्रभावों से व्यापक रूप से प्रभावित है। रियाद बैठक में पहली बार शुष्कता के संकट को वैज्ञानिक स्पष्टता के साथ प्रस्तुत किया गया। मानव-जनित जलवायु परिवर्तन इस संकट का प्राथमिक चालक है। बिजली उत्पादन, परिवहन, उद्योग और भूमि-उपयोग परिवर्तनों से होने वाले उत्सर्जन ग्रह को गर्म कर रहे हैं और वर्षा के पैटर्न, वाष्पीकरण दर और पौधों के जीवन को बदल रहे हैं। ये स्थितियां बढ़ती शुष्कता को रेखांकित करती हैं।

कुल मिलाकर विश्व स्तर पर शुष्क भूमि का विस्तार हो रहा है। 2020 तक 2.3 अरब लोग यानी दुनिया की आबादी के एक-चौथाई से भी ज्यादा लोग विस्तारित शुष्क भूमि में रह रहे थे। शुष्कता से संबंधित भूमि क्षरण, जिसे मरुस्थलीकरण के रूप में जाना जाता है, मानव कल्याण और पारिस्थितिक स्थिरता के लिए एक गंभीर खतरा है। इस दिशा में ठोस कार्रवाई के बिना भविष्य और भी अधिक निराशाजनक हो सकता है। सबसे खराब उत्सर्जन परिदृश्यों के तहत, सदी के अंत तक पांच अरब लोग शुष्क भूमि पर रह सकते हैं। ऐसी स्थिति का मतलब होगा मिट्टी का क्षय, जल संसाधनों की कमी और मानवता के बड़े हिस्से के लिए पारिस्थितिकी तंत्र का ढहना।

आज दुनिया के कुछ सबसे शुष्क क्षेत्रों में पहले से ही जबरन पलायन दिखाई दे रहा है। जैसे-जैसे भूमि अनुपयोगी होती जाती है और खेती विफल होती जाती है, परिवारों और समुदायों के पास अक्सर स्थानांतरित होने के अलावा कोई विकल्प नहीं होता। इससे वैश्विक स्तर पर सामाजिक और राजनीतिक चुनौतियां बढ़ती जाती हैं। वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि समस्त भूमि का पांचवां हिस्सा अचानक पारिस्थितिकी तंत्र के परिवर्तनों से गुज़र सकता है। इनके प्रभावों से जंगल घास के मैदानों में बदल सकते हैं। दुनिया के कई पौधों और जानवरों की प्रजातियां विलुप्त हो सकती हैं।

ग्लोबल वार्मिंग के प्रभावों के बारे में एक अन्य अध्ययन में दुनिया के ग्लेशियरों के समक्ष आसन्न संकट को रेखांकित किया गया है। दुनिया के कई ग्लेशियर पिछले हिमयुग के दौरान बने थे। ये ग्लेशियर हजारों सालों से अधिक ऊंचाई वाले क्षेत्रों और ध्रुवीय क्षेत्रों में विद्यमान हैं। लेकिन आने वाले समय में इस स्थिति में बड़ा बदलाव हो सकता है। एक ताजा अध्ययन से पता चलता है कि इस सदी के अंत तक दुनिया के आधे से ज्यादा ग्लेशियर गायब हो सकते हैं। स्विट्ज़रलैंड और बेल्जियम के वैज्ञानिकों ने कार्बन उत्सर्जन के विभिन्न परिदृश्यों के तहत ग्लेशियरों की संभावित क्षति का अनुमान लगाया है। उन्होंने पृथ्वी के सभी ग्लेशियरों को ध्यान में रखा जिनकी संख्या दो लाख है। अध्ययन से मिले आंकड़े डराने वाले हैं। यदि कार्बन का उत्सर्जन उच्चस्तर पर हुआ तो सभी ग्लेशियरों में से 54 प्रतिशत तक ग्लेशियर गायब हो सकते हैं। आल्प्स में यह संख्या 75 प्रतिशत तक पहुंच सकती है। पिछले साल किए गए एक अध्ययन से पता चला था कि हिमालय के ग्लेशियर भी तेजी से पिघल रहे हैं और ग्लोबल वार्मिंग के जारी रहने पर सदी के अंत तक उनके द्रव्यमान में 80 प्रतिशत तक नुकसान हो सकता है।

नए अध्ययन के मुख्य लेखक और ग्लेशियर वैज्ञानिक हैरी ज़ेकोलारी ने कहा कि ग्लेशियर दुनिया के कई हिस्सों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ग्लेशियरों में होने वाले परिवर्तन सीधे हमारे समाज और प्राकृतिक पर्यावरण को प्रभावित करते हैं। स्थानीय स्तर पर ग्लेशियर प्राकृतिक खतरों का कारण बन सकते हैं। ग्लेशियर स्थानीय जल आपूर्ति निर्धारित करते हैं और पर्यटन की दृष्टि से बहुत महत्वपूर्ण हैं। ग्लेशियरों के पिघलने के परिणाम दूरगामी होंगे। पिघलते हुए ग्लेशियर समुद्र के बढ़ते स्तर में योगदान करते हैं जो तटीय कस्बों और शहरों में बाढ़ के जोखिम को बढ़ाता है।

इसके अलावा, ग्लेशियर के खत्म होने से मीठे पानी के संसाधन कम हो जाते हैं, जिस पर लाखों लोग पीने के पानी के लिए निर्भर हैं। ग्लेशियर से पानी की आपूर्ति में परिवर्तन जैव विविधता, उद्योग, कृषि और घरों के लिए पानी की उपलब्धता को प्रभावित करेगा। ग्रीनहाउस प्रभाव संकट को और बढ़ाएगा। जैसे-जैसे पृथ्वी की सूर्य के प्रकाश को परावर्तित करने की क्षमता कम होती जाती है, सूर्य से अधिक ऊर्जा परावर्तित होने के बजाय अवशोषित होती है। इससे ग्लोबल वार्मिंग का खतरा बढ़ता है और जलवायु परिवर्तन और भी गंभीर हो जाता है।

भविष्य में ग्लेशियर क्षति का अनुमान लगाने के लिए शोध दल ने ऐतिहासिक ग्लेशियर द्रव्यमान, कार्बन उत्सर्जन और तापमान डेटा का अध्ययन किया। इस जानकारी और कंप्यूटर मॉडलिंग की सहायता से शोधकर्ता भविष्य में ग्लेशियर द्रव्यमान की क्षति के बारे में पूर्वानुमान लगाने में सक्षम हो गए। विभिन्न जलवायु परिदृश्यों के तहत 21वीं सदी में ग्लेशियर विकास का मॉडलिंग करके शोधकर्ताओं ने भविष्य के उत्सर्जन स्तरों के आधार पर परिणामों में भारी अंतर पाया। कम कार्बन उत्सर्जन के तहत 2100 तक ग्लेशियर अपने द्रव्यमान का 25 से 29 प्रतिशत खो सकते हैं। उच्च-उत्सर्जन परिदृश्य के तहत यह आंकड़ा 46 से 54 प्रतिशत के बीच बढ़ सकता है। इन चिंताजनक खुलासों के बावजूद शोधकर्ताओं ने अनुमानित ग्लेशियर विकास में अनिश्चितताओं को स्वीकार किया गया है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया है कि शोध में विशेष रूप से ग्लेशियरों की जांच की गई है, न कि बर्फ की चादरों की। ग्रीनलैंड और अंटार्कटिका पर पाई जाने वाली बर्फ की चादरों में भूमि की बर्फ का 99 प्रतिशत और पृथ्वी के ताजा पानी का 68 प्रतिशत से अधिक हिस्सा मौजूद है।

(साभार : लेखक विज्ञान मामलों के जानकार हैं।)

बदला लेने से मनुष्य अपने शत्रु के समान हो जाता है।
- बेकन

आज का इतिहास

- 1556: मुगल शासक हुमायूं की मौत।
- 1813: युनाइटेड किंगडम में पहली बार प्राइड एंड प्रेजुडिस किताब का प्रकाशन।
- 1835: पश्चिम बंगाल में कलकत्ता मेडिकल कॉलेज की शुरुआत।
- 1860:ब्रिटेन ने औपचारिक रूप से निकारागुआ को मास्किटो तट लौटाया।
- 1878: येल डेली न्यूज यूनाइटेड स्टेट्स में प्रकाशित होने वाला पहला दैनिक समाचार पत्र बना।
- 1878: अमेरिका के न्यू हेवन में पहला टेलीफोन एक्सचेंज स्थापित।
- 1887: फ्रांस की राजधानी पेरिस में एफिल टॉवर का काम शुरू।
- 1909: क्यूबा पर से अमेरिका का नियंत्रण समाप्त।
- 1932: जापान की सेना ने शंघाई (चीन) पर कब्जा किया।
- 1933: चौधरी रहमत अली खान ने मुस्लिम लीग की मांग के तहत बनने वाले अलग राष्ट्र के लिए पाकिस्तान का नाम सुझाया।
- 1935: आइसलैंड गर्भपात को कानूनी स्वीकृति देने वाला पहला देश बना।
- 1942: जर्मनी की सेना ने लीबिया के बेंगाजी पर कब्जा किया।
- 1943: एडोल्फ हिटलर ने जर्मनी के सभी युवकों को फौज में जबरन भर्ती का आदेश दिया।

1945: अमेरिकी ट्रकों का काफिला बर्मा रोड से पहली बार गुजरा।

- 1961: एचएमटी घड़ियों की पहली फैक्ट्री की आधारशिला बेंगलुरु में रखी गई।
- 1962: अमेरिकी अंतरिक्ष यान चांद पर पहुंचने में विफल।
- 1964: दक्षिणी रोडेशिया में दंगे भड़के।

निशाना

रहे उसी पर ध्यान !

-कृष्णेन्द्र राय

जो मिला है काम ।
रहे उसी पर ध्यान ।।
इधर उधर भटकाने से ।
है गिरता सम्मान ।।
बन रहा समूह लगता ।
भ्रम का मायाजाल ।।
चेते ना अभी अगर ।
होगा बुरा हाल ।।
देखें अपना क्षेत्र ज़रा ।
कैसा पड़ा अकाल ।।
हर तरफ से आप पर ।
उठते हैं सवाल ।।
साथ साथ इस जोश के ।
होश को ठुकराया ।।
गुणा भाग ना कर जाए ।
पूरा ही सफाया ।।

नर्मदापुरम जिले में 76वां गणतंत्र दिवस समारोह हर्षोल्लास व उमंग के साथ मना

- कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना ने फहराया तिरंगा, परेड की सलामी ली
- मुख्यमंत्री के संदेश का वाचन किया

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

जिले में 76 वां गणतंत्र दिवस समारोह हर्षोल्लास व उमंग के साथ मनाया गया। जिला मुख्यालय स्थित पुलिस परेड ग्राउंड में आयोजित गणतंत्र दिवस के मुख्य समारोह में नर्मदापुरम कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना ने झंडा वंदन कर परेड की सलामी ली तथा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के संदेश का वाचन किया।

कलेक्टर सुश्री मीना ने मुख्यमंत्री के संदेश वाचन के पश्चात गुब्बारे हवा में मुक्त विचरण के लिए छोड़े। तत्पश्चात परेड दलो द्वारा आकर्षक मार्चपास्ट का प्रदर्शन किया गया। कलेक्टर सुश्री मीना ने परेड दल नायकों से परिचय प्राप्त किया। इसके पश्चात स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों एवं लोक तंत्र सेनानियों के परिजनों का शाल और श्रीफल भेंट कर सम्मान किया।

स्कूली बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत अपने नृत्य से बिखेरी इंद्रधनुषी छटा

मुख्य समारोह में 6 स्कूल के एवं 01 महाविद्यालय के छात्र छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों के तहत आकर्षक नृत्य की प्रस्तुति दी। सभी स्कूलों के बच्चों के नृत्य ने इंद्रधनुषी छटा बिखेरी जिसे देखकर दर्शकगण आंनद से भर गए। हाई स्कूल भरगदा के बच्चों ने वंदे मातरम पर क्लासिकल नृत्य की प्रस्तुति दी। गृह विज्ञान महाविद्यालय नर्मदापुरम की छात्राओं ने चकदे इण्डिया फिल्म के गीत ''कुछ करिये कुछ करिये नश नश मेरी खोले'' गीत पर नृत्य प्रस्तुति दी। सीएम राईज स्कूल पवारखेडा की छात्राओं ने ''बार बार हो अपनी जीत हो उनकी हार हो'' पर आर्कषक नृत्य की प्रस्तुति दी। कैम्पियन हायर सेकेण्डरी स्कूल के छात्र छात्राओं ने ''डारा डोर के रे'' के गीत पर आदिवासी लोक नृत्य कर्मा की प्रस्तुति दी। उच्च.मा. स्कूल जुमेराती की छात्राओं ने ''श्री गणेश स्तूति एवं सुनो गोर से दुनिया वालों एवं लहराते तिरंगा'' पर रंगारंग नृत्य की प्रस्तुति दी। शांति निकेतन स्कूल के छात्र-छात्राओं ने ''पंजाबी नृत्य भांगडा'' की ऐसी प्रस्तुति दी कि चारों ओर तालियों की गूंज सुनाई देने लगी।

मुख्य समारोह में राज्यसभा सांसद श्रीमती माया नारोलिया, विधायक नर्मदापुरम डॉ.सीतासरन शर्मा, सोहागपुर विधायक विजय पाल सिंह, नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमति नीतू यादव सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं नर्मदापुरम संभाग के कमिश्नर के.जी. तिवारी, पुलिस महानिरीक्षक मिथलेश कुमार शुक्ला, डीआईजी प्रशांत खरे, पुलिस अधिक्षक डॉ गुरकरन सिंह, सीईओ जिला पंचायत एसएस रावत, अपर कलेक्टर डी.के. सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधिक्षक आशुतोष मिश्रा, सहित गणमान्य नागरिक, पत्रकारगण एवं अधिकारी व कर्मचारीगण मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन डीपीसी राजेश जायसवाल, डी.एन. व्यास और आरती शर्मा ने किया।

पॉलिटेक्निक में गणतंत्र दिवस उत्साह पूर्वक मनाया गया

शासकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय नर्मदापुरम में गणतंत्र दिवस के अवसर पर संस्था प्रमुख डॉ पी सी नरवरे द्वारा ध्वजारोहण किया गया. इसके बाद रंगारंग कार्यक्रम की शुरुआत की गई.जिसमें महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किये गए. गणतंत्र दिवस के अवसर पर प्राचार्य द्वारा सभी छात्र-छात्राओं और स्टाफ के अधिकारी कर्मचारियों को बधाई प्रेषित की.

वंदे मातरम का उद्घोष कर मदरसे में उत्साह से मनाया गणतंत्र दिवस

स्थानीय खुदा बख्श मेमोरियल मदरसे में गणतंत्र दिवस हर्षो उल्लास के साथ मनाया गया वरिष्ठ समाजसेवी डॉक्टर अतुल सेठा सामाजिक समरसता राष्ट्रीय एकता मंच के संरक्षक कृपाल सिंह राजपूत अध्यक्ष अरुण दीक्षित डॉक्टर सुरेंद्र जी सिंह टीपी मिश्रा के एन त्रिपाठी डॉ मयंक तोमर द्वारा झंडा वंदन कर राष्ट्रगीत गाकर भारत माता की जय वंदे मातरम का उद्घोष करते हुए सभी उपस्थित जनों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई दी. इस अवसर पर यासीन खान जमाल खान अजहर खान डॉ जैद खान शाहरुख खान उमर खान इस्लामुद्दीन अंसारी नरेंद्र परमार टीचर हाफिज असीम प्रधान पाठक रुबीना कुरैशी शिक्षा नीलू तोमर शिक्षिका रिजवान खान फरीद खान के साथी वार्ड वासियों ने गणतंत्र दिवस के इस कार्यक्रम में अपनी सहभागिता निभाई.

नपाध्यक्ष ने बस स्टैंड पर खडे होकर यात्रियों के पिक एंड ड्राप की व्यवस्था बनवाई

इटारसी। नगरपालिका अध्यक्ष पंकज चौरे ने सोमवार को पुराने बस स्टैंड पर खडे होकर जेसीबी का पंजा चलवाया। वे यहां बसों के दोबारा खडे होने के लिए व्यवस्था बनवा रहे थे। यहां से पार्क की बाउंड्रीवाल तोडकर स्थान चौडा किया जा रहा है ताकि यहां बस व्यवस्थित खडी हो सके और आटो भी सडक पर खडे न हों। नगरपालिका अध्यक्ष पंकज चौरे ने बताया कि बस स्टैंड को दोबारा प्रारंभ कर दिया गया है, लेकिन यहां पर बेरीकेटस लगाए जा रहे हैं ताकि एक समय में एक बस ही अंदर खडी हो। यह यहां सिर्फ 5 मिनिट ही खडी होगी और चली जाए, इसके लिए किया जा रहा है। नगरपालिका अध्यक्ष पंकज चौरे ने बताया कि बाउंड्रीवाल के साइड में लगी सारी दुकानें हटा दी गई हैं और अंदर तरफ व बाहर तरफ बाउंड्रीवाल तोडकर स्थान को चौडा कर दिया गया है। जिससे अब आटो अंदर पार्क की तरफ खडे होंगे और रोड सामने से चौडी हो जाएगी।

कबड्डी प्रतियोगिता 29 एवं 30 को, ट्रॉफियों का अनावरण

इटारसी। राजपूत समाज इटारसी के तत्वावधान में दो दिवसीय महाराणा प्रताप कप कबड्डी आमंत्रण प्रतियोगिता का आयोजन उद्घाटन 29 जनवरी बुधवार को प्रात- 9 बजे और समापन 30 जनवरी गुरुवार को रात्रि 8 बजे गांधी स्टेडियम में होगा। प्रतियोगिता में मध्यप्रदेश की महिला एवं पुरुषों की 16-16 टीमों को आमंत्रित किया है। पत्रकार भवन में राजपूत समाज ने एक पत्रकार वार्ता में आयोजन के विषय में विस्तृत जानकारी मीडिया के समक्ष रखी और प्रतियोगिता की ट्रॉफियों का अनावरण भी किया। प्रतियोगिता का यह चौथा वर्ष है। प्रतियोगिता में पुरुष वर्ग में प्रथम पुरस्कार 31 हजार रुपए, द्वितीय 21 हजार रुपए और तृतीय पुरस्कार 15 हजार रुपए तथा महिला टीमों के लिए प्रथम पुरस्कार 15 हजार रुपए, द्वितीय 11 हजार रुपए और तृतीय 7 हजार रुपए है ।प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि करणी सेना के प्रदेशाध्यक्ष जीवन सिंह शेरपुर, प्रदेश संगठन मंत्री शैलेन्द्र सिंह और वात्सल्य सेवा धाम संस्था के अभिषेक सिंह राजपूत, सांसद दर्शन सिंह चौधरी, राज्यसभा सांसद माया नारोलिया, विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा, महेश परमार, सोहागपुर विधायक विजयपाल सिंह, राघोगढ़ विधायक जयवर्धन सिंह, नगर पालिका अध्यक्ष पंकज चौरे के साथ ही नर्मदापुरम जिले के सभी वरिष्ठ समाजसेवी और सामाजिक जन मौजूद रहेंगे। **आमंत्रित टीमें-महिला वर्ग** में विदिशा जिला, लक्की व्यायामशाला इंदौर, इंदौर वंडर्स इंदौर, वैष्णवी संस्था इंदौर, मेकलसुता खातेगांव, आरसीसी भोपाल, बीएचईएल भोपाल, जबलपुर कार्पोरेशन, नर्मदा क्लब नर्मदापुरम, नर्मदा अकादमी टिमरनी, बैतूल जिला, उज्जैन जिला, जबलपुर अकादमी, सतना जिला, नर्मदापुरम कार्पोरेशन जमानी और रीवा जिला। **पुरुष वर्ग** में लक्की वंडर्स इंदौर, इंदौर वंडर्स इंदौर, विक्रम स्पोर्ट्स इंदौर, हरदा वंडर्स हरदा नयागांव, मेकलसुता खातेगांव, डकाच्या शाजापुर, खंडवा जिला, आरसीसी भोपाल, नर्मदा स्पोर्ट्स क्लब नर्मदापुरम, नर्मदा अकादमी टिमरनी, सतना जिला, जय मां काली क्लब ढाबा, ग्वालियर जिला, रीवा जिला, उज्जैन जिला, बीजलपुर वर्क्स बीजलपुर और सेमरी की टीमें आमंत्रित हैं।

2023 को तालाब फूटने से डूब गए थे दो गांव एसडीओ एवं उपयंत्री को किया गया था निलंबित

पौड़ी जैतगढ तालाब की मरम्मत का 2.50 करोड़ का एस्टीमेट ईएनसी ऑफिस में अटका

विशाल रजक तेन्दूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

क्षेत्र में ऐसे कुछ कार्यों के कारण ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को तबाही का सामना करना पड़ा है। समय बीता और ग्रामों के हालात में सुधार भी हुआ, लेकिन उन कार्यों में कोई सुधार नहीं हुआ, जिनके कारण ये तबाही हुई थी। ऐसा ही एक मामला तेंदूखेड़ा ब्लॉक के ग्राम पौड़ी में देखने मिला था, जब बारिश के सीजन में जल संसाधन विभाग का तालाब फूट गया था और उसके पानी से ग्राम में तबाही हुई थी। समय बदलता गया और घटना को डेढ़ साल से ज्यादा समय बीत गया है, पर अब तालाब फूटने से भविष्य में होने वाली परेशानियों की चिंता ग्रामीणों को सता रही है।

दरअसल तेंदूखेड़ा ब्लॉक की ग्राम पंचायत पौड़ी में करीब डेढ़ साल पहले बारिश में बहे पौड़ी जेतगढ़ जलाशय की मरम्मत अभी तक नहीं हो पाई है, जबकि अफसरों ने डेढ़ साल में दो बार ढ़ाई करोड़ रुपए का प्रस्ताव बनाकर ईएनसी (प्रमुख अभियंता) ऑफिस भोपाल भेजा है। हैरानी की बात यह है कि रबी सीजन में फसलों की सिंचाई के लिए, क्षेत्र के 275 किसानों में से कुछ किसान 3 किमी दूर एक नदी से पानी लाए हैं, लेकिन पहली सिंचाई के बाद वह भी सूख गई थी। ऐसे में किसान फसलों को पानी नहीं दे पा रहे हैं। ऐसे में यहां पर 300 हेक्टेयर में सिंचाई का संकट खड़ा हो गया है। दरअसल पौड़ी में बना 25 साल पुराना जलाशय 64 हेक्टेयर में फैला है। इससे न केवल 16 गांव में नहर के माध्यम से सिंचाई होती थीं, बल्कि मछली पालन भी किया जाता था। लेकिन मरम्मत न होने और अफसरों की अनदेखी से यह तालाब बारिश के बीच 24 जुलाई 2023 में फूट गया था। इससे पौड़ी और जेतगढ़ दोनों गांव डूब गए थे। 28 परिवारों की गृहस्थी का सामान पानी में बह गया था। आनन- फानन में भोपाल से जल संसाधन विभाग की टीम जांच करने के लिए आई थी और इस मामले में लापरवाही मानते हुए एसडीओ और सब इंजीनियर को सस्पेंड कर दिया गया था। इसके बाद विभागीय टीम ने इस जगह पर नया तालाब बनाने के लिए ढ़ाई करोड़ रुपए का प्रस्ताव बनाकर भेजा था। जिसे संभागीय कार्यालय सागर से स्वीकृत करके मंजूरी के लिए ईएनसी कार्यालय भोपाल भेज दिया गया था, पर वहां से उसे अभी तक कोई स्वीकृति नहीं मिली है।

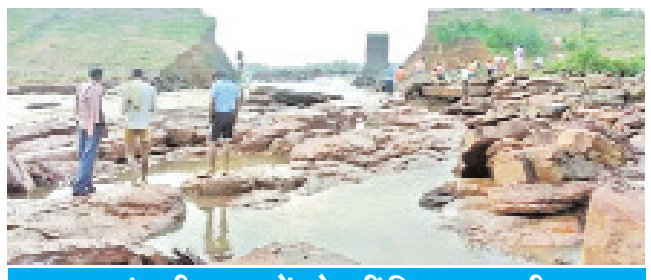

जंगली जानवरों को नहीं मिल रहा पानी

पौड़ी वासियों ने बताया कि तालाब फूटने के बाद अभी तक इस ओर किसी भी अधिकारी, जनप्रतिनिधि ने ध्यान नहीं दिया है। तालाब आज भी क्षतिग्रस्त है। अभी ठंड का मौसम चल रहा है, लेकिन अभी से ही किसानों के लिए पानी का संकट खड़ा हो गया है। रहवासियों के लिए तो सतधरू योजना की पाइप लाइन चालू है, पर मवेशियों और जंगली जानवरों के लिए पानी नहीं बचा है। लोगों ने बताया की तालाब में 12 माह पानी रहता था। जिससे गांव के मवेशी और जंगली जानवर अपनी प्यास बुझाते थे और किसानों को भी पानी उपलब्ध रहता था, लेकिन इस वर्ष तालाब सूखा पड़ा है। ग्रामीणों ने कहा कि तालाब के सुधार कार्य के लिए कई बार जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों से गुहार लगाई पर कोई निराकरण नहीं हुआ है।

शिकायत के बाद भी नहीं हो रही सुनवाई-पौड़ी निवासी कमलेश रजक ने बताया की तालाब फूटने के बाद ग्राम में कितनी बर्बादी हुई थी, यह किसी से छुपा नहीं है और अब तालाब सूखा पड़ा है। जिसके कारण मवेशियों और जंगली जानवर को पानी के लिए भटकना पड़ रहा है। हम लोगों ने फूटे तालाब में सुधार कार्य कराने कई बार अधिकारियों के पास लिखित शिकायते दी है, पर सुधार नहीं हुआ है। यदि समय रहते मरम्मत नहीं हुई तो इस बारिश में पानी नहीं भर पाएगा। राजकुमार रजक ने बताया की तालाब के पानी का उपयोग फसलों की सिंचाई के लिए करते थे, परन्तु तालाब सूखा पड़ा है और बारिश के दिनों में फिर उसी तालाब में बड़ी मात्रा में पानी एकत्रित होगा जो व्यर्थ बहेगा और उसका जिम्मेदार शासन प्रशासन होगा।

भोपाल से आई डेम सेफ्टी टीम ने की थी जांच

वहीं 10 जनवरी 2024 को भोपाल से एक टीम ग्राम पौड़ी जैतगढ़ पहुंची थी। जहां पर टीम द्वारा जलाशय फूटने के कारणों की जांच की थी। दोबारा डेम बनाने की संभावना के बीच जल संसाधन विभाग भोपाल की टीम ने डेम सेफ्टी टीम ने मुआयना किया था जहां पर टीम को डेम की मरम्मत को लेकर विशेषज्ञ को अपनी राय भोपाल में पेश करनी थी, उसके बाद शासन इस पर निर्णय लिया जाता। वहीं टीम में शामिल विशेषज्ञों ने डेम के फूटने की मुख्य वजह बड़ी-बड़ी चट्टानें और मिट्टी को माना था। मौके पर ऐसी कई चट्टानें मिली थी, जिनके अंदर से दरारें थी और पानी का रिसाव होता था। लेकिन डेढ़ साल बीतने के बाद भी है, अभी तक इस जलाप्रवय का सुधार कार्य संभव नहीं हो पाया है टीम में शामिल जल संसाधन विभाग के रिटायर्ड चीफ इंजीनियर मनोज आचार्य, ज्योलॉजिस्ट सिविल इंजीनियर और मैकेनिकल इंजीनियर पौड़ी जैतगढ़ पहुंचे थे।

तालाब में पानी नहीं, तीन किमी दूर से ला रहे

पौड़ी के किसान मदन सिंह लोधी ने कहा कि पहले तालाब से पानी आ जाता था और सिंचाई हो जाती थी, इस बार तालाब में पानी नहीं है। इससे तीन किमी दूर जंगल में स्थित ग्वादर नदी से पानी ला रहे हैं। इसके लिए अलग से तार भी डाला है, लेकिन अब नदी में भी पानी नहीं है, इसलिए एक बार ही सिंचाई हो पाएगी। ऐसी स्थिति में इस बार सिंचाई का संकट है। तालाब की मरम्मत न होने से 3 हजार फीट बिजली तार, 200 पाइप और पंप का खर्च बढ़ गया है। किसान रघुनाथ आदिवासी कहते हैं कि उनका डेढ़ एकड़ का खेत है। खेत में गेहूं और चना की बोवनी की है। इस बार तालाब में पानी नहीं है। इसलिए सिंचाई के लिए नदी से पानी ला रहे हैं। इसके लिए पाइप और बिजली दोनों का खर्च है। खेत तक पानी पहुंचने के लिए 150 पाइप खरीदने किसान ने एक सेठ से कर्जा लिया था। इसी तरह अन्य किसानों ने भी अपनी व्यथा सुनाई।

पूर्व उपसरपंच संतोष सींग लोधी, राजाराम सेन ने बताया कि तालाब का सुधार कराने के लिए नेताओं, मंत्रियों और अधिकारियो से मांग की है, पर कोई सुनवाई नहीं हो रही है।

पर्याप्त मुआवजा भी नहीं मिला-स्थानीय लोगों ने कहा कि अचानक तालाब फूटने से पौड़ी और जैतगढ़ में 125 ग्रामीण प्रभावित हो गए थे। इनमें कई किसानों की फसलें भी बर्बाद हो गई थीं। राजस्व विभाग ने पीड़ितों को मुआवजा देने का निर्णय लिया था। शासन की ओर से 125 प्रभावितों को 30 लाख रुपए का मुआवजा देने का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। शासन से राशि भी आई, लेकिन पीड़ितों को स्टीमेट के हिसाब से राशि नहीं दी गई. जबकि मुआवजा बांटा जा चुका है। किसी के हाथ में 3 हजार तो किसी के हाथ में 6 हजार रुपए की मुआवजा राशि आई है। वहीं लोगों का आरोप है कि मुंह देख देख मुआवजा राशि बांटी गई है और राशि बांटने में गड़बड़ी हुई है।

स्वीकृति नहीं मिली है- जल संसाधन विभाग के एसडीओ राहुल जैन का कहना है कि पुराने प्रस्ताव पर कोई निर्णय नहीं हुआ था। इसलिए 4 माह पहले दोबारा प्रस्ताव बनाकर भेजा था, उस पर भी फिलहाल कोई स्वीकृति नहीं मिली है. लेकिन ईएनसी ऑफिस में फाइल अटकी हुई है

उभरते कलाकारों की मनमोहक प्रस्तुति ने दर्शकों को किया भाव विभोर

- संगीत सभा एवं सम्मान समारोह आयोजित

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

नगर की वीणा पाणी संगीत एवं सामाजिक संस्था द्वारा स्थानीय बांद्राभान स्थित कौशल्या कुटी फॉर्म हाउस में शास्त्रीय संगीत सभा एवं वरिष्ठ गुरुजनों का सम्मान कार्यक्रम का आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक डॉ. सीताशरण शर्मा, कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष पंडित भवानी शंकर शर्मा , विशिष्ठ अतिथि पूर्व विधायक पंडित गिरिजा शंकर शर्मा, वरिष्ठ संगीत गुरु एवं प्रसिद्ध तबला वादक पंडित किरण देशपांडे, संगीत गुरु महेश तिवारी, समाजसेवी राकेश फौजदार, साहित्यकार अशोक जमनानी, आशीष चटर्जी एवं कैप्टन किशोर करैया ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलं कर पूजन किया। मां सरस्वती के बाद अतिथियों का स्वागत पुष्प मालाओं से किया गया। वीणा पाणि संगीत एवं सामाजिक संस्था अध्यक्ष आनंद कुमार नामदेव द्वारा स्वागत भाषण एवं संस्था की सालभर होने वाली गतिविधियों को बताया। इस अवसर पर पंडित राम परसाई के निर्देशन में सरस्वती वंदना एवं गुरु वंदना कु. ऋतु कुलश्रेष्ठ एवं कु. सौम्या कौशिक द्वारा किया गया,

तबले पर संगत सक्षम पाठक, गिटार पर यश मालवीय एवं पेड पर निकुंज सैनी द्वारा दी गई। अकाशवाणी बी ग्रेट कलाकारा कु सिद्धा साई द्वारा राग नट भैरव में बिलंबित ख्याल बंदिश मध्य एवं द्रुत लय में शास्त्रीय संगीत की प्रस्तुति दी। इनके साथ हारमोनियम पर श्रीमती अमिता साई एवं तबले पर संगत उत्कर्ष तिवारी एवं तानपुरे पर संगत उदित नारायण तिवारी द्वारा दी गई। भोपाल से पधारें वरिष्ठ तबला वादक पंडित किरण देशपांडे के द्वारा तीनताल में तबले पर स्वतंत्र वादन में विभिन्न प्रकार की बारीकियों को समझते हुए उठान, पेशकार कायदे एवं अलग अलग गतों को अपने तबला वादन में प्रस्तुत किया। पंडित जी के कृपा पात्र शिष्य मनोज पाटीदार ने अपने गुरु के साथ तबला वादन प्रस्तुत किया। नगर के कलाकार उदित नारायण तिवारी द्वारा हारमोनियम पर लहरा बजाया। नर्मदापुरम के प्रसिद्ध तबला वादक पंडित राम सेवक शर्मा के निर्देशन में उनके शिष्य मास्टर घनश्याम चौधरी एवं मयंक गोस्वामी द्वारा तबला पर स्वतंत्र वादन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम को गति देते हुए नगर के नवोदित सारंगी वादक अथर्व दुबे ने अपने सारंगी वादन से उपस्थित संगीत प्रेमियों का मनमोह लिया। इनके साथ तबले पर संगत विपुल दुबे द्वारा की गई। वीणा पाणि वृंद द्वारा स्तुति गायन में श्री आदि गुरु शंकराचार्य द्वारा रचित स्त्रोत्र भज गोविंदम, तुलसीदास द्वारा रचित विनय पत्रिका से लिए भजनों की प्रस्तुतियां दी गई। आदित्य नारायण परसाई द्वारा संगीत दिये गए, इन भजनों की मोहक प्रस्तुति देने वालो में ऋत्विक राजपूत, गोपाल अग्रवाल, आकाश जैन, गिटार पर यश मालवीय, तबला पे सक्षम पाठक, विपुल दुबे, हारमोनियम पर आदित्य परसाई एवं निकुंज सैनी द्वारा संगत की गई। इन कलाकारों की प्रस्तुति को उपस्थित श्रोताओं ने करतल ध्वनि के द्वारा सराहा।

लटेरी में विधायक उमाकांत शर्मा ने दी बड़ी सौगात

करोड़ों के विकास कार्यों का भूमि पूजन और लोकार्पण किया

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

सिरोंज-लटेरी विधानसभा के विधायक उमाकांत शर्मा ने नगर परिषद लटेरी मैं करोड़ों रुपए के विकास कार्यों की सौगात दी। लटेरी नगर में विधायक श्री शर्मा ने नवनिर्मित बस स्टैंड का लोकार्पण किया इसके साथ ही करोडों रुपए के विकास कार्यों की आधारशिला रखी विधायक श्री शर्मा ने जनता जनार्दन को संबोधित करते हुए कहा कि स्वर्गीय लक्ष्मीकांत जी शर्मा ने सिरोंज-लटेरी के विकास का जो स्वप्न देखा था उसको अपने क्षेत्र की जनता जनार्दन के आशीर्वाद से पूरा करने में कोई कसर नहीं छोड़ूंगा विधायक शर्मा ने कहा कि सिरोंज-लटेरी विकास की दृष्टि से पिछड़े हुए थे, आज हमने चैथी विकास के कार्य कराए हैं उन्होंने कहा कि सिरोंज को जिला बनाने और आनंदपुर को तहसील बनाने के प्रयासों में कोई कमी नहीं आएगी विधायक उमाकांत शर्मा ने कहा कि क्षेत्र की जनता से मेरा रिश्ता परिवार का रिश्ता है और अपने परिवार की भलाई के लिए जो संभव हो सकेगा वह कार्य करेंगे। लटेरी क्षेत्र की एक बड़ी

मांग बस स्टैंड की थी जिसको आज में लटेरी शहर को समर्पित कर रहा हूं।

विधायक श्री शर्मा ने कहा कि लटेरी क्षेत्र की सिंचाई के लिए भी भागीरथी प्रयास जारी है। इसके पहले विधायक श्री शर्मा की विशाल वाहनों के काफिले के साथ भव्य अगवानी की और जनता जनार्दन ने अपूर्व स्वागत किया कार्यक्रम में स्वागत भाषण देते हुए भाजपा मंडल लटेरी के अध्यक्ष रामगुलाम राजोरिया ने कहा कि ईश्वर की कृपा से उमाकांत शर्मा जी जैसा जनप्रतिनिधि हमारे क्षेत्र को मिला है जिन्होंने सिरोंज-लटेरी के विकास के आयाम को नए पंख

दिए श्री राजोरिया ने कहा कि आज लटेरी में विधायक जी के प्रार्थना से क्षेत्र की सिंचाई परियोजनाएं शहरी क्षेत्र में पानी की समस्या की निराकरण पाक की सीसी सीएम राइस स्कूल 50 बिस्तर का सिविल हॉस्पिटल और अमृत 2.0 के माध्यम से करोड़ों रुपए के विकास कार्य विधायक जी ने किए हैं, कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नगर परिषद लटेरी की अध्यक्ष श्रीमती शैलेश अत्तु भंडारी ने लटेरी क्षेत्र में किए गए विकास कार्यों के लिए लोकप्रिय विधायक माननीय उमाकांत शर्मा का आभार व्यक्त किया कार्यक्रम को भाजपा के वरिष्ठ नेता लक्ष्मण सिंह बघेल ने संबोधित करते हुए सिरोंज-लटेरी के विकास में पूर्व मंत्री स्वर्गीय लक्ष्मीकांत शर्मा और विधायक उमाकांत शर्मा के योगदान का उल्लेख किया। कार्यक्रम को भाजपा के वरिष्ठ नेता भैरव सिंह जादौन ने संबोधित करते हुए किए गए कार्यों के लिए विधायक उमाकांत शर्मा का आभार व्यक्त किया और भविष्य में और गति से विकास कार्य हो ऐसी आशा की कार्यक्रम में जनपद पंचायत लटेरी की अध्यक्ष श्रीमती सीमा बृजमोहन कलावत, जनपद उपाध्यक्ष भूपत सिंह गुर्जर, भारत सिंह राजपूत, सरपंच संघ के अध्यक्ष दिनेश शर्मा, आनंदपुर मंडल अध्यक्ष आशीष शर्मा, नगर परिषद लटेरी के उपाध्यक्ष शिवचरण प्रजापति समस्त पार्षदगण जनपद सदस्यगण जनप्रतिनिधि अनुविभागीय अधिकारी विनीत तिवारी, शासन प्रशासन की अधिकारी कर्मचारीगण के साथ हजारों की तादाद में जनता-जनार्दन उपस्थित रही। इस अवसर पर कार्यक्रम का संचालन महेंद्र सिंह राजपूत और आभार मुख्य नगर पालिका अधिकारी ने व्यक्त किया।

कलेक्टर सिंह से साइकिललिस्ट आशा ने की सौजन्य भेंट

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

कलेक्टर रौशन कुमार सिंह से आज उनके चेंबर में साइकिलिस्ट सुश्री आशा मालवीय ने साइकिल से 17030 किलोमीटर की यात्रा कर सौजन्य भेंट की है। कलेक्टर श्री सिंह को सायकलिस्ट सुश्री आशा मालवीय ने उनके द्वारा पूरे भारत देश में सायकिल यात्रा के माध्यम से दिए जा रहे संदेशों व कार्यों की जानकारी दी। कलेक्टर श्री सिंह ने साइकिल से यात्रा करने वाली सुश्री आशा मालवीय के कार्यों की प्रशंसा करते हुए सराहना की है उन्होंने कहा कि साइकिल से यात्रा कर उनके द्वारा किए जा रहे कार्य काफी प्रेरणादाई हैं। 24 जून 2025 को सुश्री आशा मालवीय ने कन्याकुमारी से यात्रा शुरू की थी इसके बाद उन्होंने सियाचिन सहित देश के अलग-अलग राज्यों व जिलों में भ्रमण करते हुए स्कूल-स्कूल पहुंचकर विद्यार्थियों को ओजस्वी मार्गदर्शन दिया। आज विदिशा आगमन पर साइक्लिस्ट आशा मालवीय द्वारा विदिशा के शासकीय महारानी लक्ष्मीबाई कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पहुंचकर छात्राओं को ओजस्वी मार्गदर्शन देते हुए बताया कि किस प्रकार उन्होंने अपना संघर्षमय जीवनयापन कर स्वयं के साथ-साथ अपने परिवार को भी सहयोग किया। उन्होंने बताया कि उनका जीवन कठिनाई भरा था पारिवार की आर्थिक स्थिति बहुत कमजोर थी उनकी मां मजदूरी करती थी उसके बावजूद भी उन्होंने अपना लक्ष्य निश्चित रखा और लक्ष्य निश्चित रखने के साथ ही लक्ष्य की दिशा में सदैव प्रयास करती रहीं इसलिए आज उन्हें सफलता मिली।

गणतंत्र दिवस की संध्या पर 'भारत पर्व' में मनमोहक लोक नृत्य और आजादी के तराने गाए

कलाकारों की प्रस्तुतियां देख दर्शकगण हुए मंत्रमुग्ध

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विदिशा गणतंत्र दिवस की संध्या 26 जनवरी को लोकतंत्र का लोकोत्सव ''भारत पर्व'' का आयोजन रविन्द्र नाथ टैगोर संस्कृतिक भवन (ऑडिटोरियम) में सायं छह बजे से आयोजित किया गया।

जिला प्रशासन, जनसम्पर्क विभाग एवं स्वराज संस्थान संचालनालय संस्कृति विभाग के संयुक्त तत्वावधान में स्वराज संस्थान संचालनालय के उप संचालक द्वारा जारी कार्यक्रम अनुसार विदिशा जिले में इन्दौर के संतोष कुमार अग्निहोत्री के सात सदस्यों के द्वारा देशभक्ति गीत एवं भोपाल की सुश्री निरूपा जोशी की 20 सदस्यीय दल के द्वारा मयूरभंज छाउ लघु नृत्य का प्रदर्शन सांस्कृतिक, देशभक्ति गीतों के माध्यम से किया गया। इसके अलावा विदिशा जिले के स्कूली विद्यार्थियों के द्वारा भी देशभक्ति से ओतप्रोत रोचक प्रस्तुतियां प्रस्तुत की गई है। जिसमें सेपियंब प्यूपिल हाई स्कूल के राजस्थानी लोक नृत्य, एमीनेंट पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा देशभक्ति गीत, सीएम राइज बरईपुरा स्कूल के विद्यार्थियों ने मिक्स राष्ट्रीय गीत, बलभद्र पब्लिक हायर सेकेण्डरी स्कूल के विद्यार्थियों द्वारा अनेकता में एकता को रेखांकित करने वाले प्रांतीय नृत्य तथा शासकीय हाई स्कूल तिलक के द्वारा संवाद कार्यक्रम की प्रस्तुति प्रस्तुत की गई थी।

कलेक्टर रने कार्यक्रम के अंत में कलाकारो व उत्कृष्ट कार्य करने वालो को पुरस्कृत किया। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री अनिल कुमार डामोर, जिला पंचायत सीईओ श्री पंकज जैन समेत विभिन्न विभागो के अधिकारी, कर्मचारी, दर्शकगण और शैक्षणिक संस्थाओं के स्कूली विद्यार्थी मौजूद रहें।

हर्षोल्लास के साथ मनाया गणतंत्र दिवस, हुए सांस्कृतिक आयोजन

गंजबासौदा। नगर सहित ग्रामीण अंचलों में गणतंत्र दिवस बड़ी धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। स्थानीय लालपरेड ग्राउंड पर गणतंत्र दिवस का मुख्य आयोजन किया गया। जनप्रतिनिधियों ने राष्ट्रीय ध्वज फहराते हुए। परेड की सलामी ली। आसमान में गुब्बारे छोड़े गए। इस अवसर शहर के शासकीय और अशासकीय स्कूलों के बच्चों ने एक से बढ़कर देशभक्ति पर सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। सांस्कृतिक प्रस्तुति के बाद पुरस्कार वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें विधायक हरिसिंह रघुवंशी,नगर पालिका अध्यक्ष शशि यादव, जनपद अध्यक्ष नीतू रघुवंशी ने ध्वजारोहण किया गया इस अवसर पर एसडीएम विजय राय, तहसीलदार संदीप कुमार जयसवाल ,नायब तहसीलदार ,एसडीओपी मनोज मिश्रा, शहर थाना प्रभारी ,देहात थाना प्रभारी सहित अन्य विभागों के अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे, इस मौके पर बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं गणमान्य नागरिक एवं तहसील स्तरीय सभी अधिकारी कर्मचारी कार्यक्रम में मौजूद रहे। कार्यक्रममें उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों कर्मचारियों को मंच से अतिथियों द्वारा प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

देश हमे देता है सब कुछ हम भी तो कुछ देना सीखे -कादरी

गणतंत्र दिवस के अवसर पर कादरी साहब वाली गली जवाहर रोड स्थित मुस्लिम राष्ट्रीय मंच गौ सेवा प्रकोष्ठ कार्यालय में राष्ट्रीय सह संयोजक सैयद शफाकत हुसैन कादरी ने ध्वजारोहण किया। इस अवसर पर कादरी ने कहा कि देश हमको हवा पानी भोजन मान सम्मान सब देता है हमको भी देश को देश के लिए जान माल वक्त देने हर पल तैयार रहना चाहिए। वतन से मोहब्बत हमारे दीन धरम का हिस्सा है जिला संयोजक एडवोकेट असद नवेद हाशमी ने मुस्लिम राष्ट्रीय मंच जिला कार्यालय तथा मदरसा ए इस्लाम मे ध्वजारोहण किया।

योजनाओं एवं कार्यक्रमों के साथ-साथ संविधान पर आधारित छायाचित्र प्रदर्शनी

प्रदर्शनी के अंदर सेल्फी लेने का जज्बा दिखा बच्चो में

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विदिशा जिला जनसंपर्क कार्यालय विदिशा के द्वारा गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर आयोजित भारत पर्व स्थल रवींद्रनाथ टैगोर संस्कृतिक भवन परिसर में शासकीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों के साथ-साथ संविधान पर केन्द्रित फोरेक्स शीट पैनल पर प्रिंटेड छायाचित्र का प्रदर्शन प्रदर्शनी में सुव्यवस्थित रूप से किया गया था।

प्रदर्शनी में संविधान पर केन्द्रित महत्वपूर्ण संदेश

भारतीय संविधान को लागू करने के पूर्व संविधान बनाने के लिए किए गए सभी प्रावधानो और संविधान सभा की प्रमुख समितियों तथा शामिल सदस्यों के द्वारा संपादित किए गए प्रावधानो को रेखांकित करने वाली जानकारी फॉरेक्स शीट पैनल पर प्रिंटेड छायाचित्र के माध्यम से रविंद्र भवन में आयोजित प्रदर्शनी में की गई थी।

जनसंपर्क विभाग द्वारा आयोजित छायाचित्र प्रदर्शनी का कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह, सहित अन्य अधिकारियों, कर्मचारियों स्कूली विद्यार्थियों गणमान्य नागरिकों ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया है। बच्चों ने जनसंपर्क विभाग द्वारा आयोजित प्रदर्शनी में पहुंचकर प्रदर्शनी चित्रों के साथ स्वयं की सेल्फी ली है।

पुलिस थाना लटेरी में मोबाईल दुकान संचालकों की बैठक का आयोजन

सिरोंज। साईबर अपराध रोकने, चोरी या गुम मोबाईल का पता लगाना, समाज की सुरक्षा में योग्यदान तथा कानूनी अनुपालन सुनिश्चित करने में मोबाईल दुकान संचालकों की सहभागिता लेने हेतु- आज दिनांक 27.01.2025 को

पुलिस थाना लटेरी में साइबर क्राइम से बचाव हेतु चलाये जा रहे अभियान के अंतर्गत पुलिस अधीक्षक महोदय रोहित काशवानी के निर्देशन व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डा. प्रशांत चैवे के मार्गदर्शन अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) अजय मिश्रा के द्वारा थाना प्रभारी लटेरी सुरेश सोलंकी की उपस्थिति में नये मोबाईल बेचने वाले, सेकेंड हेण्ड मोबाईल खरीदने वाले व पुराने मोबाईलों की रिपेयरिंग करने वालें दुकान संचालकों की बैठक ली गई । जिसमें पुराने मोबाईल खरीदने वाले दुकानदारों को उसकों खरीदने से पूर्व रखी जाने वाली सावधानी से अवगत कराया गया। पुराने मोबाईल रिपेयरिंग करने वाले दुकानदारों को ग्राहक रजिस्टर का रख-रखाव के निर्देश दिये गये। जिसमें ग्राहक की पहचान व मोबाईल की जानकारी संधारित करने के निर्देश दिये गये। संदिग्ध मोबाईल फोन की एम्प् की बैधता जॉच के बारें अवगत कराया गया। सैकेंड हैंड मोबाईल फोन खरीदने और बेचने से पूर्व रखी जाने वाली सावधानी से अवगत कराया गया।

मेट्रो एंकर जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में 577 और नगरीय क्षेत्रों में 129 शिविर संपन्न , ग्रामीण क्षेत्रों में 53547 और नगरीय क्षेत्र में 12604 आवेदन प्राप्त हुए

मुख्यमंत्री जन कल्याण अभियान में 64 हजार से अधिक आवेदक लाभांवित हुए

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

विदिशा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में जन कल्याण अभियान के तहत विदिशा जिले में जनकल्याण पर्व की निहित बिन्दुओं की प्राप्ति के लिए कलेक्टर रौशन कुमार सिंह के द्वारा विशेष पहल की गई है। प्रत्येक ग्राम पंचायत व वार्डो में शिविरों के माध्यम से निराकरण की पहल की गई है। शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रो में सम्पन्न हुए इन शिविरो में स्थानीय नागरिकों ने अपनी व्यक्तिगत और सार्वजनिक समस्याओं पर आधारित आवेदन प्रस्तुत किए गए थे। नियमानुसार अधिकांश आवेदनों का निराकरण शिविर स्थल पर किया गया।

विदिशा जिले में मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान की समापन तिथि 26 जनवरी 2025 तक कुल 706 शिविरो में 66151 आवेदन प्राप्त हुए है। जिसमें से 64074 आवेदन स्वीकृत किए गए है विभिन्न कारणो से 2077 आवेदन अस्वीकृत है। जिले की 577 ग्राम पंचायतो में 53547 आवेदन प्राप्त हुए थे जिनमें से 51709 आवेदनो में स्वीकृति प्रदाय की गई है वहीं 1838 आवेदन अस्वीकृत हुए है। जनपदवार प्राप्त आवेदनों की जानकारियां इस प्रकार से है। गंजबासौदा में 101 शिविरो में 9884 आवेदनो में से 9730 स्वीकृत व 154 अस्वीकृत इसी प्रकार सिरोंज में 93 शिविरो में 6538 आवेदन प्राप्त हुए उनमें से 6245 स्वीकृत और 293 अस्वीकृत, विदिशा जनपद पंचायत के अंतर्गत कुल 92 शिविरो का आयोजन किया गया इन शिविरो में 9778 आवेदन प्राप्त हुए है जिनमें से 9676 आवेदनो में स्वीकृतियां प्रदाय की गई है वहीं 102 आवेदन अस्वीकृत हुए है। नटेरन जनपद पंचायत में 84 शिविरो में 7187 आवेदन प्राप्त में से 6712 आवेदनों में स्वीकृति व 475 में अस्वीकृति प्रदाय की गई है। कुरवाई में आयोजित 75 शिविरो में 9105 आवेदन प्राप्त हुए इनमें से 8804 स्वीकृत व 301 अस्वीकृत शामिल है। इसी प्रकार ग्यारसपुर के 71 शिविरो में 7252 आवेदनो में से 7232 स्वीकृत व 20 अस्वीकृत

जबकि लटेरी जनपद पंचायत में 61 शिविरो का आयोजन किया गया था इन शिविरो में 3803 आवेदन प्राप्त हुए थे जिसमें से 3310 स्वीकृत किए गए है जबकि 493 आवेदन विभिन्न कारणो से अस्वीकृत हुए है।

विदिशा जिले की सातो निकाय क्षेत्रों के हर एक वार्ड में एक-एक शिविर इस प्रकार कुल 129 शिविरो का आयोजन किया गया था। इन शिविरो में 12604 आवेदन प्राप्त हुए थे जिनमें से 12365 का निराकरण किया गया है। विभिन्न कारणो से 239 आवेदन अस्वीकृत हुए है। निकायवार आवेदनो की जानकारियां तदानुसार विदिशा नगरपालिका क्षेत्र के 39 वार्डो में 3324 आवेदन प्राप्त हुए जिनमें से 3311 स्वीकृत व 13 अस्वीकृत शामिल है। इसी प्रकार गंजबासौदा के 24 शिविरो में 2505 आवेदन प्राप्त हुए। जिसमें से 2591 स्वीकृत व 14 अस्वीकृत, सिरोंज निकाय क्षेत्र में 21 शिविरो का आयोजन किया गया जिनमें 2193 आवेदन प्राप्त हुए इनमें से 2173 स्वीकृत हुए है जबकि 20 अस्वीकृत। इसी प्रकार शमशाबाद नगर परिषद निकाय क्षेत्र के 15 शिविरो में 2010 आवेदन प्राप्त हुए है 1852 निराकृत और 158 अस्वीकृत, कुरवाई के 15 वार्डो में 1070 आवेदन प्राप्त हुए जिसमें से 1038 निराकृत व 32 अस्वीकृत आवेदन शामिल है। लटेरी नगर परिषद के सभी 15 वार्डो में शिविर सम्पन्न हुए है इन शिविरो में कुल 1502 आवेदन प्राप्त हुए थे जिसमें से 1500 आवेदन स्वीकृत हुए है जबकि दो आवेदन अस्वीकृत है।

कलेक्टर श्री सिंह की विशेष पहल पर जिले में आयोजित किए गए शिविरो में विशेष तौर पर स्वास्थ्य परीक्षण के प्रबंध सुनिश्चित किए गए थे वहीं विभागीय हितग्राहीमूलक योजनाओं की जानकारी देने के लिए पृथक-पृथक स्टॉल लगाए गए थे। मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान अंतर्गत निर्धारित शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रो के शिविरों में नागरिकरों ने शिरकत करते हुए अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन विभिन्न विभागों के अधिकारियों के समक्ष प्रस्तुत किये गए थे जिनका अधिकारियों द्वारा आवेदन प्राप्ति उपरांत नियम अनुसार कार्यवाही की गई है। साथ ही शिविरों में शासन की विभिन्न योजनाओं में हितग्राहियों को लाभान्वित कर स्वीकृति पत्र भी प्रदान किए गए हैं। इन शिविर स्थलों पर विभिन्न विभागों द्वारा स्टालों के माध्यम से शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी प्रदाय की गई है तथा स्वास्थ्य विभाग के स्टॉल के माध्यम से स्वास्थ्य परीक्षण व रोगोपचार दवाईयों का वितरण तथा आयुष्मान कार्ड बनाए जाने की प्रक्रिया विशेष तौर पर क्रियान्वित की गई थी।

मुंबई में विराट ने प्रैक्टिस की, बांगर के साथ बैकफुट पर किया काम

रणजी मैच : तीस जनवरी से होगा दिल्ली और रेलवे के बीच मुकाबला

नईदिल्ली, एजेंसी

विराट कोहली ने रणजी मैच में उतरने से पहले मुंबई में प्रैक्टिस शुरू कर दी है। उन्होंने भारतीय टीम के पूर्व बैटिंग कोच संजय बांगर की निगरानी में अभ्यास किया। कोहली 30 जनवरी से दिल्ली और रेलवे के बीच होने वाले रणजी मैच में खेलते नजर आएंगे। उन्होंने दिल्ली एंड डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन को इसकी जानकारी दे चुके हैं।

कोहली का अभ्यास का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में विराट कोहली ऑफ स्टंप से बाहर जाती हुई गेंद पर प्रैक्टिस करते हुए दिखे। वहीं अभ्यास सत्र में बांगड़ को कोहली को 16 गज की दूरी से थ्रो डाउन करते हुए दिख रहे हैं। उन्होंने कोहली को लगातार उठती हुई गेंद पर अभ्यास कराया। कोहली बैकफुट प्ले पर अधिक काम करते हुए दिखे। वह गेंदों को खेलने के लिए पीछे की ओर झुकते हुए नजर आए। कोहली को ऑफ स्टंप के बाहर जाती गेंदों पर हो रही है परेशानी 36 वर्षीय कोहली ऑफ स्टंप क्षेत्र में और उसके बाहर पिच की गई गेंदों के खिलाफ गंभीर तकनीकी समस्याओं से जूझ रहे हैं। वह ऑफ स्टंप की बाहर जाती हुई गेंदों को खेल कर विकेट के पीछे कैच देकर आउट हुए हैं।

बीजीटी ट्रॉफी और न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में खराब प्रदर्शन कोहली बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में पांच टेस्ट मैचों में सिर्फ 190 रन बना पाए, जिसमें पर्थ में पहले टेस्ट में लगाया गया शतक भी शामिल है। इस सीजन में बांग्लादेश और

न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच घरेलू टेस्ट मैचों में उनका उच्चतम स्कोर 47 रन रहा। न्यूजीलैंड के खिलाफ, वे तीन टेस्ट मैचों में 15.50 की औसत से सिर्फ 93 रन ही बना पाए।

कोहली 2012 में खेला था अपना आखिरी मुकाबला वहीं विराट कोहली के आखिरी रणजी ट्रॉफी मुकाबला 2012 में उत्तर प्रदेश के खिलाफ खेला था। इस मैच में विराट कोहली ने पहली पारी में 4 और दूसरी पारी में 43 रन का स्कोर बनाया था। इसके बाद से फिर विराट कोहली दिल्ली के लिए घरेलू क्रिकेट में नजर नहीं आए।

बीसीसीआई ने बीजीटी के सभी खिलाड़ियों को घरेलू क्रिकेट खेलने की सलाह दी है बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में टीम इंडिया को हार का सामना करना पड़ा। उसके बाद बीसीसीआई की हुई समीक्षा बैठक में यह तय किया गया कि सभी खिलाड़ियों को घरेलू सर्किट में हर हाल में खेलना होगा तभी वे नेशनल टीम में चयन के लिए नामित किए जाएंगे। वहीं बिश्नोई की बल्लेबाजी के पीछे कोच शाहरुख और प्रदयुत बोले कि बॉलिंग तो अच्छी करता है, अब टेनिस-प्लास्टिक बॉल से डेथ ओवर्स में बल्लेबाजी की प्रैक्टिस की है।

रणजी ट्रॉफी: हैदराबाद 43 रन से जीता

तमिलनाडु ने चंडीगढ़ को हराया

हैदराबाद, एजेंसी

रणजी ट्रॉफी 2024-25 के फेज-2 में रविवार को तमिलनाडु ने चंडीगढ़ को 209 रन से हरा दिया है। सलेम क्रिकेट फाउंडेशन ग्राउंड में चल रहे मुकाबले के चौथे और आखिरी दिन तमिलनाडु ने चंडीगढ़ को 403 रन का टारगेट दिया था। चंडीगढ़ 193 रन पर ही सिमट गई। तमिलनाडु के लिए दूसरी पारी में नाबाद 150 रन बनाने वाले भारतीय ऑलराउंडर विजय शंकर को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। दूसरी हैदराबाद ने हिमाचल प्रदेश को पारी और 43 रन से हरा दिया।

रणजी चैंपियन मुंबई को जम्मू-कश्मीर ने 5 विकेट से हराया रणजी ट्रॉफी 2024-25 के फेज-2 में शनिवार को ब?ा उलटफेर देखने को मिला। यहां डिफेंडिंग चैंपियन मुंबई को जम्मू एंड कश्मीर की टीम ने 5 विकेट से हराया। मुंबई की शरद पवार अकादमी में चल रहे मुकाबले के तीसरे दिन मुंबई ने जम्मू एंड कश्मीर को 205 रन का टारगेट दिया था, जिसे जम्मू एंड कश्मीर ने 5 विकेट पर हासिल कर लिया।

मुकाबले के दूसरे दिन शार्दूल ठाकुर ने 119 और तनुष कोटियान ने 62 रन की पारी खेली और दूसरी पारी में मुंबई का स्कोर 290 तक पहुंचाया। इस तरह मुंबई ने जम्मू एंड कश्मीर के खिलाफ 205 रन का टारगेट सेट किया। लक्ष्य का पीछा कर रही जम्मू और कश्मीर की टीम ने तेजी से रन बनाए। ओपनर शुभमन खजोरिया ने 45 और विव्रांत शर्मा ने 38 रन का योगदान दिया। मुंबई से शम्स मुलानी ने 4 विकेट लिए।

कर्नाटक 207 रन से जीता बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेले गए मैच में शुभमन गिल की कप्तानी वाली पंजाब को कर्नाटक ने पारी और 207 रनों से हराया है। पहली पारी में 420 रन से पिछ?ने वाली पंजाब की टीम दूसरी पारी में 213 रन पर ऑलआउट हो गई। टीम के कप्तान शुभमन गिल ने 102 रन की शतकीय पारी खेली।

मेट्रो बाजार

टॉप-10 कंपनियों में से 4 की मार्केट वैल्यू 1.25 लाख-करोड़ रुपए घटी

मुंबई, एजेंसी

पिछले हफ्ते के कारोबार में देश की टॉप-10 कंपनियों में से 4 का कंबाइन मार्केट कैपिटलाइजेशन 1.25 लाख करोड़ रुपए घटा है। इनमें रिलायंस को पिछले हफ्ते सबसे ज्यादा नुकसान हुआ। इसका मार्केट कैप 74,969 करोड़ घटकर 16.85 लाख करोड़ रह गया। मार्केट कैप किसी भी कंपनी के टोटल आउटस्टैंडिंग शेयरों यानी वे सभी शेयर, जो फिलहाल उसके शेयरहोल्डर्स के पास हैं, की वैल्यू है। इसका कैलकुलेशन कंपनी के जारी शेयरों की टोटस नंबर को स्टॉक की प्राइस से गुणा करके किया जाता है।

मार्केट कैप का इस्तेमाल कंपनियों के शेयरों को कैटेगराइज करने के लिए किया जाता है ताकि निवेशकों को उनके रिस्क प्रोफाइल के अनुसार उन्हें चुनने में मदद मिले। जैसे लार्ज कैप, मिड कैप और स्मॉल कैप कंपनियां।

मार्केट कैप कैसे काम आता है?: किसी कंपनी के शेयर में मुनाफा मिलेगा या नहीं इसका अनुमान कई फैक्टर्स को देख कर लगाया जाता है। इनमें से एक फैक्टर मार्केट कैप भी होता है। निवेशक मार्केट कैप को देखकर पता लगा सकते हैं कि कंपनी कितनी बड़ी है। कंपनी का मार्केट कैप जितना ज्यादा होता है उसे उतनी ही अच्छी कंपनी माना जाता है। डिमांड और सप्लाई के अनुसार स्टॉक की कीमतें बढ़ती और घटती है। इसलिए मार्केट कैप उस कंपनी की पब्लिक पर्सीवड वैल्यू होती है। मार्केट कैप के फॉर्मूले से साफ है कि कंपनी की जारी शेयरों की कुल संख्या को स्टॉक की कीमत से गुणा करके इसे निकाला जाता है। यानी अगर शेयर का भाव बढ़ेगा तो मार्केट कैप भी बढ़ेगा और शेयर का भाव घटेगा तो मार्केट कैप भी घटेगा।

एफटीए भागीदारों को 14.48 फीसदी बढ़ा भारत का निर्यात

नईदिल्ली, एजेंसी

भारत का वैश्विक व्यापार में 1.8 फीसदी हिस्सा है। यह निर्यात में दुनियाभर में 17वें स्थान पर है। आयात के मोर्चे पर भारत वैश्विक व्यापार में 2.8 फीसदी हिस्सेदारी के साथ 8वें स्थान पर है। भारत का संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), दक्षिण कोरिया और ऑस्ट्रेलिया जैसे मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) वाले देशों को निर्यात 2018-19 से 2023-24 के बीच यानी छह साल में 14.48 फीसदी बढ़कर 122.72 अरब डॉलर पहुंच गया। 2018-19 में भारत ने इन देशों को 107.20 अरब डॉलर का निर्यात किया था। आर्थिक शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) के मुताबिक, छह साल की इस अवधि में एफटीए भागीदारी वाले देशों से भारत का आयात 37.97 फीसदी बढ़कर 187.92 अरब डॉलर पहुंच गया। 2018-19 में भारत ने इन देशों से 136.20 अरब डॉलर का माल आयात किया था। यह वृद्धि भारत की वैश्विक व्यापार गतिशीलता पर एफटीए के महत्वपूर्ण और विविध प्रभाव को दर्शाती है।

विमेंस डबल्स में टाउनसेंड और सिनिआकोवा चैंपियन

जैनिक सिनर ने लगातार दूसरा ऑस्ट्रेलियन ओपन जीता, एलेक्जेंडर ज्वेरेव को 3 सेट में फाइनल हराया

मेलबर्न, एजेंसी

इटली के 23 साल के युवा जैनिक सिनर ने लगातार दूसरे साल ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब जीत लिया है। रविवार को मेलबर्न को रोड लिवर एरिना में मेंस सिंगल्स का फाइनल खेला गया। सिनर ने जर्मनी के एलेक्जेंडर ज्वेरेव को 3 सेट में हराकर खिताब जीत लिया। वहीं, विमेंस डबल्स में टॉप सीड टेलर टाउनसेंड और कैटरिन सिनिआकोवा की जोड़ी ने टाइटल पर कब्जा किया। सिनर ने वर्ल्ड नंबर-2 को हराया ऑस्ट्रेलियन ओपन में 2019 के बाद पहली बार ऐसा हुआ, जब फाइनल में वर्ल्ड नंबर-1 और वर्ल्ड नंबर-2 का सामना हुआ। तब नंबर-1 नोवाक जोकोविच ने नंबर-2 राफेल नडाल को सीधे सेट में हरा दिया था। वहीं अब, नंबर-1 सिनर ने नंबर-2 ज्वेरेव को 6-3, 7-6 (7-4), 6-3 से हराया।

2024 से 3 बड़े खिताब जीत चुके हैं सिनर 2024 से सिनर ने 5 में से 3 ग्रैंड स्लैम अपने नाम किए। उन्होंने पिछले साल ऑस्ट्रेलिया ओपन और स ओपन पर कब्जा किया था। इस बार फिर उन्होंने साल की शुरुआत ऑस्ट्रेलियन ओपन जीतकर की। इस दौरान उन्होंने 80 मुकाबले जीते, वहीं महज 6 में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। वे पिछले 21 मैचों से कोई मुकाबला नहीं हारे। विमेंस डबल्स में भी टॉप सीड जोड़ी चैंपियन विमेंस डबल्स में अमेरिका की टेलर टाउनसेंड और चेक रिपब्लिक की कैटरिन सिनिआकोवा की टॉप सीड जोड़ी ने खिताब जीता। दोनों ने

वर्ल्ड नंबर-3 ताइवान की सिएह सु-वेई और लात्विया की जेलेना ओस्टापेंको की जोड़ी को हराया। वर्ल्ड नंबर-1 पेयर ने 6-2, 6-7 (4-7), 6-3 से फाइनल अपने नाम किया।

अमेरिका की टेलर टाउनसेंड और चेक रिपब्लिक की कैटरिन सिनिआकोवा की जोड़ी ने विमेंस डबल्स का टाइटल जीता। वहीं विमेंस सिंगल्स में मैडिसन कीज चैंपियन अमेरिका की मैडिसन कीज ने साल का पहला ग्रैंड स्लैम ऑस्ट्रेलिया ओपन के विमेंस सिंगल्स का खिताब जीत लिया। उन्होंने दो बार की डिफेंडिंग चैंपियन बेलारूस की एरिना सबालेंका को 6-3, 2-6, 7-5 से हराया। कीज ने पहला ग्रैंड स्लैम खिताब जीता है।

मनोरंजन

बॉलीवुड का कोना

• आमिर के बिना बटुआ यात्रा दी प्रतिक्रिया

माधवन बोले- उनके पास लोग हैं जो उनके खर्चे संभालते हैं...

एक्टर ने कहा कि स्टारडम के बावजूद भौतिक चीजों पर ज्यादा ध्यान नहीं देना, असल में उनकी अपनी जड़ों से जुड़ी आदतों की वजह से है। वर्क फ्रंट की बात करें तो माधवन इन दिनों फिल्म हिसाब बराबर को लेकर चर्चा में हैं...

अभिनेता आमिर खान को लेकर कहा जाता है कि वे अक्सर बिना बटुआ लिए यात्रा करने निकल पड़ते हैं। हाल ही में उनकी इस आदत पर आर.माधवन ने काफी मजेदार जवाब दिया है। एक्टर आर. माधवन हाल ही में बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट आमिर खान की एक आदत पर बात करते दिखे। उन्होंने खुलासा किया कि आमिर खान को अपने बटुए के बिना घूमने की एक अनोखी आदत है। उनकी इस आदत पर माधवन ने प्रतिक्रिया देते हुए बड़ा ही मजेदार जवाब दिया। माधवन ने कहा कि आमिर खान के स्टारडम के चलते उनके लिए यह आदत संभव है। आर माधवन ने कहा कि आमिर खान बिना पर्स के घूम पाते हैं, क्योंकि उनके आसपास ऐसे लोग हैं जो उनके खर्चे संभालते हैं। हाल ही में जस्ट टू फिल्मी के साथ बातचीत में आर. माधवन से उनकी पर्स रखने की आदत के बारे में पूछा गया। उनसे आमिर खान की इस आदत का जिक्र करते हुए सवाल पूछा गया। इस पर उन्होंने मजाकिया अंदाज में प्रतिक्रिया दी और कहा कि वे इस मामले में आमिर खान की बराबर एक्स्ट्रीम नहीं हैं। आर माधवन ने कहा, मैं कभी इस हद तक नहीं जाता। आमिर खान का स्टारडम उन्हें ऐसा करने की इजाजत देता है। उनके पास ऐसे लोग हैं, जो उनके लिए पैसे खर्च करते हैं। खुद के लिए माधवन ने कहा कि उनके व्यक्तित्व के कारण उनके लिए किसी के साथ यात्रा करना मुश्किल हो जाता है, क्योंकि उन्हें आजादी पसंद है। वे अपनी शर्तों पर लोगों से बातचीत करना पसंद करते हैं। आमिर खान और आर. माधवन 3 इडियट्स में साथ काम कर चुके हैं। आर माधवन ने अपने फाइनेंस के प्रति नजरिए पर कहा कि वह खर्च करने के मामले में बहुत जुनूनी नहीं हैं। वह हमेशा अपनी क्षमता के हिसाब से ही खर्च करते हैं। एक्टर ने उदाहरण भी दिया और कहा कि अगर उन्हें बड़ी कार जैसी कोई चीज चाहिए, तो वह उसे तब तक नहीं खरीदेंगे, जब तक कि वह उनके बजट में न आ जाए।

• एक्ट्रेस जल्द ही फिल्म 'छावा' में नजर आएंगी

'मेरे पैर में तीन फ्रेक्चर हैं और..', रश्मिका मंदाना ने सोशल मीडिया पर दिया हेल्थ अपडेट

रश्मिका मंदाना ने अब अपनी हेल्थ पर अपडेट दिया है। उन्होंने सोशल मीडिया पर छावा से जुड़ा एक पोस्ट करते हुए एक्स रे की ऑनलाइन रिपोर्ट दी है। रश्मिका ने अपनी पोस्ट पर लिखा, फिलहाल मेरी जिंदगी में मैं छावा का प्रचार कर रही हूं। महारानी येसुबाई का किरदार निभाकर मैं बहुत सम्मानित, धन्य और आभारी महसूस कर रही हूं। वह अपने लोगों को अपना दर्द नहीं दिखाएगी और न ही मैं दिखाऊंगी। हमेशा की तरह इस सबके बीच मुस्कुराती रही। रश्मिका मंदाना ने अपना हेल्थ अपडेट दिया है। उन्होंने बताया कि पैर में 3 फ्रैक्चर हैं, साथ ही एक मांसपेशी फटी हुई है 2 हफ्तों से मैंने अपना पैर नीचे नहीं रखा है। मुझे वास्तव में अपने पैरों पर खड़े होने की याद आती है। रश्मिका ने अपनी सोशल मीडिया पोस्ट पर लिखा कि कृपया अपना ख्याल रखें और जब लोग आपसे ऐसा कहें तो इसे हल्के में न लें। उन्होंने लिखा कि आप सभी को प्यार और शक्ति भेज रही हूं और मैं आपके प्यार और शक्ति को बहुत प्यार से संभाल कर रख भी रही हूं। रश्मिका के प्रशंसकों ने इस पोस्ट पर कमेंट कर उनका हाल चाल पूछा, साथ ही चिंता भी जाहिर की। फैंस ने लिखा, जल्द ही ठीक हो जाइए रशू। एक अन्य फैन ने लिखा- हमें छावा का इंतजार है, ये एक ब्लॉकबस्तर हिट हो जाए। रश्मिका मंदाना फिल्म छावा में विक्की कौशल के साथ नजर आएंगी। विक्की जहां संभाजी महाराज की भूमिका में हैं, वहीं रश्मिका मंदाना येसूबाई की भूमिका अदा करती दिखेंगी। फिल्म 14 फरवरी को सिनेमाघरों में लगेगी। हाल ही में इसका ट्रेलर जारी हो चुका है, जो दर्शकों को काफी पसंद आया। हालांकि, रिलीज से पहले फिल्म के एक सीन पर विवाद शुरू हो गया है। एक मराठा समूह ने इस बात पर आपत्ति जताई है कि फिल्म में संभाजी और येसूबाई को डांस करते दिखाया गया है। उन्होंने इन डांस सीन को हटाने की मांग की है।

• हार्टब्रेक और पार्टनर को लेकर शाहिद बोले

प्यार में हमें जरूरतों को पूरा करने के लिए दूसरे व्यक्ति से कुछ नहीं मांगना चाहिए...

शाहिद कपूर ने हार्टब्रेक, प्यार और अपने पार्टनर से रखी जाने वाली उम्मीदों को लेकर बात की है। उन्होंने पॉडकास्ट में कहा कि हमें प्यार में अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए दूसरे व्यक्ति से कुछ नहीं मांगना चाहिए। शाहिद कपूर ने एक इंटरव्यू में अपने कामकाज के साथ निजी जीवन को लेकर भी बहुत सारी बातें की हैं। उन्होंने प्यार, हार्ट ब्रेक को लेकर भी बात की है। शाहिद ने कहा कि हमें देखना होगा कि प्यार हमारे अंदर की अच्छाई बाहर लाता है या बुराई। राज शमानी के एक इंटरव्यू में शाहिद कपूर ने अपने हार्टब्रेक पर बात की है। उन्होंने कहा, कई बार जब आपका दिल टूटता है तो आपको लगता है कि आप बिल्कुल भी अच्छे इंसान नहीं हैं। शाहिद कपूर ने कहा, जब आप किसी को बहुत प्यार करते हैं और रिजेक्ट फील करते हैं तो आप उसे पाने के लिए बहुत कोशिश करते हैं। शाहिद कपूर ने कहा कि दिल टूटने से मिली सीख बहुत खास होती है। प्यार अपने आप में बहुत स्ट्रांग बॉन्ड है, यह पहचानना जरूरी है कि क्या रिश्ता आपके अंदर की सबसे अच्छी चीज सामने लाता है या सबसे बुरी। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह समझना महत्वपूर्ण है, क्योंकि आखिरकार, आपको खुद के साथ रहना है। शाहिद ने इस इंटरव्यू में प्यार पर भी बात की। उन्होंने कहा कि प्यार ने उन्हें सिखाया, केवल अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए दूसरे व्यक्ति से कुछ नहीं मांगना चाहिए। हमें अपने पार्टनर की चीजों को भी समझना चाहिए। बता दें शाहिद कपूर की फिल्म देवा 31 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। इस फिल्म का निर्देशन रोशन एंड्रयूज ने किया है। इस फिल्म की रिलीज से पहले यह कहा जा रहा है कि फिल्म से लिपलॉक सीन हटाया गया है। यह दावा अरुण दीप नाम के एक शख्स ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर किया है।

ग्यारहवीं की छात्रा ने चूहामार खाकर दी जान

भोपाल। सूखीसेवनिया थाना क्षेत्र स्थित चौपड़ा कलां गांव में 11वीं की छात्रा ने चूहामार खा लिया। उल्टियां करने पर परिजन उसे भानपुर स्थित निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, वहां डॉक्टर ने चेक करने के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है। उसके पास से सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस परिजन और छात्रा के साथ पढ़ने वाली सहेलियों के बयान दर्ज करेगी। फिलहाल आत्महत्या के कारण स्पष्ट नहीं हो सके है। पुलिस के अनुसार संजीव सिसोदिया चौपड़ा कला में रहते हैं और पेशे से मिस्त्री हैं। उनके परिवार में पत्नी के अलावा चार बच्चे थे। बड़ी बेटी 15 साल की कीर्ति सिसोदिया थी, जबकि उससे छोटे दो भाई और बहन हैं। कीर्ति पिपलिया जाहिर के शासकीय स्कूल में 11वीं कक्षा में पढ़ती थी। संजीव ने बताया कि 26 जनवरी रविवार को वह स्कूल से घर लौटी थी। दोपहर तक सब कुछ ठीक था। शाम करीब पौने 5 बजे वह उल्टियां करने लगी। मां ने उससे उल्टियां करने का कारण पूछा तो उसने बताया कि चूहामार खा लिया है। यह सुनते ही परिजन उसे भानपुर स्थित निजी अस्पताल लेकर पहुंचे थे, वहां डॉक्टर ने चेक करने बाद उसे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है।

पुलिस कमिश्नर ने किया ध्वजा रोहण

भोपाल। 76वें गणतंत्र दिवस पर पुलिस आयुक्त हरिनारायणाचारी मिश्र ने आयुक्त कार्यालय परिसर में ध्वजा रोहण कर तिरंगे को सलामी दी। इस दौरान पुलिस परिवार एवं शहर वासियों को गणतंत्र दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस दौरान अतिरिक्त पुलिस आयुक्त पंकज श्रीवास्तव, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अवधेश गोस्वामी, पुलिस उपायुक्त श्रद्धा तिवारी और कार्यालय के अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

महिला ऑपरेटर के घर से 2 लाख की सोने की 2 चेन चोरी

भोपाल। कटारा हिल्स थाना क्षेत्र स्थित कस्तूरी रायल पार्क कॉलोनी में महिला कम्प्यूटर ऑपरेटर के घर से सोने की दो चेन चोरी हो गई। चोरी गई चेन की कीमत दो लाख रुपए बताई गई है। फरियादिया ने नौकरानी पर चोरी करने का संदेह व्यक्त किया है। घटना के बाद से नौकरानी अपने घर से गायब है। उसकी तलाश की जा रही है। नौकरानी के सामने आने के बाद ही घटना का खुलासा होने की उम्मीद की जा रही है। चोरी के बाद नौकरानी लापता, संदेह के आधार पर पुलिस कर रही जांच

पुलिस ने चोरी का प्रकरण दर्ज किया है। पुलिस के मुताबिक कस्तूरी रॉयल पार्क कॉलोन निवासी शीला मोटवानी पत्नी (57) बीडीए में कम्प्यूटर ऑपरेटर हैं। उनके पति का निधन हो चुका है। विगत 21 जनवरी की सुबह उनके घर से सोने की दो चेन (एक मोटी व एक पतली) चोरी हो गई। चेन चोरी होने की जानकारी शीला मोटवानी को अगले दिन हुई। जिस समय चेन चोरी होने की आशंका फरियादिया ने व्यक्त की, उस समय नौकरानी सीमा घर में काम कर रही थी। लिहाजा फरियादिया ने घटना की सूचना पुलिस को देकर संदेह नौकरानी पर व्यक्त किया। पुलिस ने इस मामले में चोरी का प्रकरण दर्ज किया है। संदेह के आधार पर नौकरानी की तलाश शुरू की गई तो वह अपने घर पर नहीं मिली। पुलिस का का कहना है कि उसके घर में ताला लगा हुआ है। उसका मोबाइल भी स्विच ऑफ आ रहा है। पुलिस का कहना है कि घर के बाहर लगे सीसीटीवी कैमरे चैक करने पर घर के भीतर नौकरानी के अलावा अन्य कोई आता-जाता दिखाई नहीं दिया है। घटना के समय नौकरानी के अलावा और कोई नहीं था।

निशातपुरा क्षेत्र मे दर्दनाक हादसे मे मौत

स्कूटी सवार पंद्रह साल की किशोरी को बस ने कुचला, छोटे भाई को आई मामूली चोट

छोटे भाई के लिए खिलौना लेकर लौट रहे थे भाई-बहन, हुंडई शोरूम के सामने हुआ हादसा

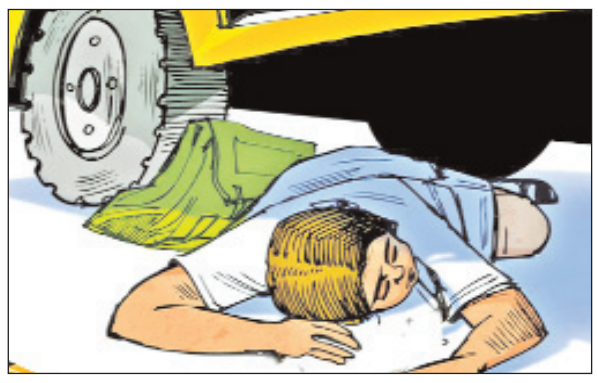

भोपाल, दोपहर मेट्रो

निशातपुरा थाना क्षेत्र स्थित जेल रोड पर हुंडई कार-शो रूम के सामने रविवार शाम बस ने स्कूटी सवार 15 साल की किशोरी को टक्कर मार दी।

टक्कर लगने से सड़क पर गिरी किशोरी के सिर से बस का पहिया गुजरने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसका 8 साल का छोटे भाई को मामूली चोट आई है। घटना के समय वह अपने छोटे भाई को खिलौना दिलाकर घर लौट रही थी। हादसे के बाद बस ड्राइवर बस लेकर खुद ही निशातपुरा थाने पहुंच गया। पुलिस ने बस बरामद कर आरोपी चालक पर मामला दर्ज कर लिया है।

पुलिस के अनुसार एहसान नगर करोंद निवासी 15 साल की मुस्कान खान पिता नजीर खान, प्राइवेट स्कूल में आठवीं कक्षा में पढ़ती थी। रविवार शाम करीब साढ़े 5 बजे अपने छोटे भाई अयान (8) को खिलौना दिलाकर स्कूटी से घर लौट रही थी। दोनों ने रास्ते में चाउमिन खाया और हुंडई शोरूम के पास पहुंचे ही थे कि स्कूटी टर्न करते समय तेज रफ्तार बस ने मुस्कान की स्कूटी को जोरदार टक्कर मार दी।

टक्कर लगने से मुस्कान और अयान स्कूटी समेत सड़क पर गिर गए। मुस्कान सिर के बल गिरी थी और उसके सिर से बस का अगला पहिया गुजर गया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, अयान बस की टक्कर लगने से उछलकर दूर गिरा। उसे भी मामूली चोट आई है।

ओवर स्पीड के कारण हुआ हादसा

मूल रूप से सिलवानी निवासी मुस्कान के पिता भोपाल में रहकर ट्रक में ड्राइवरी कर रहे है। हादसे के समय बस की रफ्तार अधिक थी। ड्राइवर वाहन को नियंत्रित नहीं कर सका। ऐसे में बस बच्ची को टक्कर मारते हुए आगे बढ़ गई। ड्राइवर को गिरफ्तार कर लिया गया है। बस उज्जैन जा रही थी। हादसे के वक्त उसमें 30-35 यात्री सवार थे।

पत्नी के छोड़कर जाने से दुखी पति ने लगाई फांसी, सुसाइड नोट में पत्नी, सास और साले को ठहराया जिम्मेदार

भोपाल। अवधपुरी थाना क्षेत्र स्थित जवाहर नगर में पानी का टैंकर चलाने वाले युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। उसे फांसी के फंदे पर लटका देख परिजन एम्स लेकर पहंचे थे, वहां डॉक्टर ने चेक करने के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने उसके पास से एक सुसाइड नोट भी बरामद किया है, जिसमें उसने आत्महत्या के लिए पत्नी, सास और साले को जिम्मेदार ठहराया है। पुलिस ने सुसाइड नोट जब्त कर लिया है। पुलिस के अनुसार शुभम यादव पिता लालाराम यादव (30) जवाहर नगर, अवधपुरी में रहता था। वह पानी के टैंकर चलाता था। उसने करीब तीन साल पूर्व लता बोहने से लव मैरिज की थी। शादी माता पिता की इजाजत के बिना की और वह लता के साथ अलग रह रहा था। कुछ दिन पत्नी के साथ रहने के बाद उसकी पत्नी से अनबन होने लगी और पत्नी उसे छोड़कर अलग रहने लगी। इससे वह दुखी रहने लगा। शुभम के पिता लालाराम ने बताया कि रविवार रात शुभम ने अपने कमरे में फांसी लगाई थी। नजर पड़ते ही वे उसे फंदे से उतारकर एम्स लेकर पहुंचे, वहां डॉक्टर ने चेक करने पर शुभम को मृत घोषित कर दिया। पुलिस के पास मिले सुसाइड नोट में उसने लिखा है कि वह पत्नी, सास और साले से दुखी होकर फांसी लगा रहा है।

पत्नी ने कर ली थी शादी

शुभम, लता से अत्यधिक प्रेम करता था। लिहाजा उसने लता से शादी करने समय मां और पिता से इजाजत भी नहीं ली। इधर, लता उसे छोड़कर चली गई थी। वह उसे मनाने का पूरा प्रयास कर रहा था। इस बीच पता चला कि लता ने कहीं और शादी कर ली है तो वह टूट गया और उसने यह कदम उठाया।

ट्राले ने बाइक सवार को मारी टक्कर, पांच साल के मासूम की मौत, नाना-नानी घायल

ईंटखेड़ी स्थित सैनी चौराहा पर हुआ हादसा, तीन अलग-अलग बाइक पर विदिशा जा रहा था परिवार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

ईंटखेड़ी थाना क्षेत्र स्थित सैनी चौराहा पर सोमवार सुबह ट्राले ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से बाइक पर बैठा पांच साल का मासूम ट्राले के पहिये में दब गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में नाना नानी सड़क पर दूसरी ओर गिरे थे और उन्हें भी गंभीर चोट आई है। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के बाद परिजन को सौंप दिया है।

पुलिस के अनुसार दीपक सोनी राहुल नगर, वार्ड नंबर 19, मंडीदीप रायसेन में रहते हैं। वे पत्नी और परिवार के साथ शादी के सिलसिले में विदिशा जाने के लिए निकले थे। परिवार के लोग तीन अलग अलग बाइक पर थे और आगे पीछे चल रहे थे। एक बाइक पर दीपक सोनी का पांच साल का बेटा अभि सोनी था। उक्त बाइक उसके नाना चला रहे थे और अभि और नानी पीछे बैठे हुए थे। सुबह करीब साढ़े 11 बजे सैनी चौराहा ईंटखेड़ी पहुंचने पर सामने से आ रहे राजस्थान पासिंग के ट्राले ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर लगने से नाना मुरारी सोनी और नानी कला सोनी सड़क के दूसरी ओर गिरे, जबकि अभि सोनी ट्राले के पहिये के नीचे दब गया। ट्राला उसके सिर और शरीर से होता हुआ गुजर गया। इस दर्दनाक हादसे में अभि की मौके पर ही मौत हो गई थी, बाइक से गिरने के कारण नाना नानी को गंभीर चोट आई है। पीछे से बाइक पर आ रहे परिजन ने उन्हें निजी अस्पताल में भर्ती कराया है।

ट्राला थाने लेकर पहुंचा ड्राइवर

हादसे के बाद सैनी चौराहा पर भीड़ इकट्ठा होने लगी। इसी बीच ट्राले का चालक खतरा भांपकर मौके से भाग निकला और सीधे थाने पहुंचकर ट्राला खड़ा कर दिया। पुलिस ने ट्राला जब्त कर लिया है। पुलिस का कहना है कि मासूम की मौत से चौराहा पर भीड़ गुस्से में थे। यदि ट्राला ड्राइवर ट्राला लेकर नहीं निकलता तो उसके साथ मारपीट और ट्राले में तोड़फोड़ और आगजनी जैसी घटना हो सकती थी।

रास्ता भटक गया था परिवार

प्रारंभिक पूछताछ में पता चला कि परिवार को विदिशा जाना था और रास्ता भटक गए थे। रास्ता भटकने के कारण वह ईंटखेड़ी पहुंच गए। वहां किसी ने बताया कि यह रास्ता विदिशा नहीं जाता और वह वापस होने लगे। इस दौरान सैनी चौराहा पर पीछे से आ रहे ट्राले ने उनकी बाइक को पीछे से टक्कर मारी थी।

युवती से बहस व झूमाझटकी, खींचतान में टी-शर्ट उतरी, प्रकरण दर्ज

भोपाल, दोपहर मेट्रो

बाग सेवनिया थाना क्षेत्र स्थित बाग मुगालिया में सड़क पर बह रहे पानी को लेकर विवाद हो गया। विवाद बढ़ने पर दोनों परिवार आमने सामने हो गए। इस दौरान बहस व झूमाझटकी में युवती के साथ अश्लील हरकत करने और टी-शर्ट खींचने का मामला सामने आया है। युवती ने आरोप लगाया है कि पड़ोस में रहने वाले युवक ने जानबूझकर उसके साथ झूमाझटकी और अश्लील हरकत की है। पुलिस ने युवती की शिकायत पर छेड़छाड़ व मारपीट का प्रकरण दर्ज किया है, जबकि दूसरे पक्ष की तरफ से मारपीट की धाराओं में प्रकरण दर्ज किया गया। पुलिस के अनुसार बाग मुगालिया इलाके में रहने वाली 24 साल की युवती प्राइवेट जॉब करती है और अपने परिवार के साथ रहती है। पड़ोस में कान्हा संकट (32) नामक युवक रहता है। वह फुटकर काम करता है। पिछले कुछ दिनों से युवती और कान्हा के परिजन का घर के सामने सड़क पर बहने वाले पानी को लेकर विवाद चल रहा है।

सडक पर बह रहे पानी को लेकर पड़ोसियों में विवाद

रविवार दोपहर दोनों परिजन के बीच विवाद होने लगा। तब कान्हा संकट के परिजन ने नाली बनाने की बात कही। युवती के परिजन इसके लिए तैयार नहीं हुए। लिहाजा युवती के चाचा-चाची और कान्हा संकट के बीच बहस होने लगी।

उस समय युवती घर में ऊपर से बहस होती देख रही थी। बहस बढ़ने पर वह नीचे आ गई। बहस ने झूमाझटकी का रूप ले लिया। झूमाझटकी के दौरान कान्हा संकट ने बुरी नीयत से छेड़छाड़ करते हुए युवती की टी-शर्ट खींच दी।

युवती का आरोप है कि कान्हा ने जानबूझकर उसके साथ अश्लील हरकत करते हुए टी-शर्ट खींची है। अपनी-अपनी शिकायत लेकर दोनों पक्ष थाने पहुंच गए। पुलिस ने युवती की शिकायत पर कान्हा संकट के खिलाफ छेड़छाड़ व मारपीट की धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किया है।

मेट्रो एंकर अस्पताल में सफाईकर्मी है आरोपी, एक महीने पहले युवती को लेकर हो चुका है फरार

किशोरी से दुष्कर्म, पंद्रह सप्ताह का गर्भ होने पर खुलासा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

चूनाभट्टी थाना क्षेत्र में 14 साल की नाबालिग से पड़ोसी द्वारा दुष्कर्म का मामला सामने आया है। घटना की जानकारी उस समय लगी, जब पेट दर्ज होने पर परिजन उसे अस्पताल लेकर पहुंचे, वहां डॉक्टर ने बताया कि उसे पंद्रह सप्ताह का गर्भ है। परिजन उसे लेकर थाने पहुंचे। पुलिस ने नाबालिग की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म, पाक्सो एक्ट समेत अन्य धाराओं में प्रकरण दर्ज कर लिया है। आरोपी के बारे में जानकारी जुटाने पर पता चला कि टीटी नगर से एक युवती को लेकर वह एक महीने से फरार है। युवती की गुमशुदगी टीटी नगर थाने में दर्ज है और संदेह आरोपी पर है। पुलिस के अनुसार चूनाभट्टी क्षेत्र में रहने वाली 14 साल की किशोरी सातवीं कक्षा की छात्रा है और अपने परिवार के साथ रहती है। वह सातवीं कक्षा तक पढ़ाई करने के बाद पढ़ाई छोड़ चुकी है। मां घरों में साफ-सफाई का काम करती है, जबकि पिता मजदूरी करते हैं। किशोरी को मौसा मौसी ने गोद लिया है, लेकिन वह माता पिता के साथ ही रहती है। विगत 24 जनवरी की दोपहर नाबालिग घर में अकेली थी। माता-पिता दोनों अपने-अपने काम पर चले गए थे। इस बीच नाबालिग को अकेला देखकर पड़ोस में रहने वाला पंकज (25) उसके घर में घुस गया और डरा-धमकाकर नाबालिग से दुष्कर्म किया। दुष्कर्म करने के बाद आरोपी ने धमकी दी कि यदि उसने घटना की शिकायत किसी को भी तो वह उसे और उसके परिवार की हत्या कर देगा। डर के कारण नाबालिग ने किसी को घटना की शिकायत नहीं की। पुलिस ने बताया कि विगत 25 जनवरी को नाबालिग के पेट में दर्द हुआ। परिजन उसे नजदीक के अस्पताल ले गए। वहां जांच के बाद पता चला कि उसे पंद्रह सप्ताह का गर्भ है। इसके बाद परिजन उसे लेकर थाने पहुंचे और शिकायत दर्ज कराई।

एक महीने से फरार है आरोपी

पुलिस ने बताया कि आरोपी पंकज मूलरूप से देवास का है और यहां एक निजी अस्पताल में सफाईकर्मी है। वह चूनाभट्टी इलाके में पीड़िता के घर के पास रहता था। करीब एक महीने वह लापता है। टीटी नगर में लापता युवती के परिजन ने पंकज पर आरोप लगाए हैं। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की अलग अलग टीम लगाई गई है।

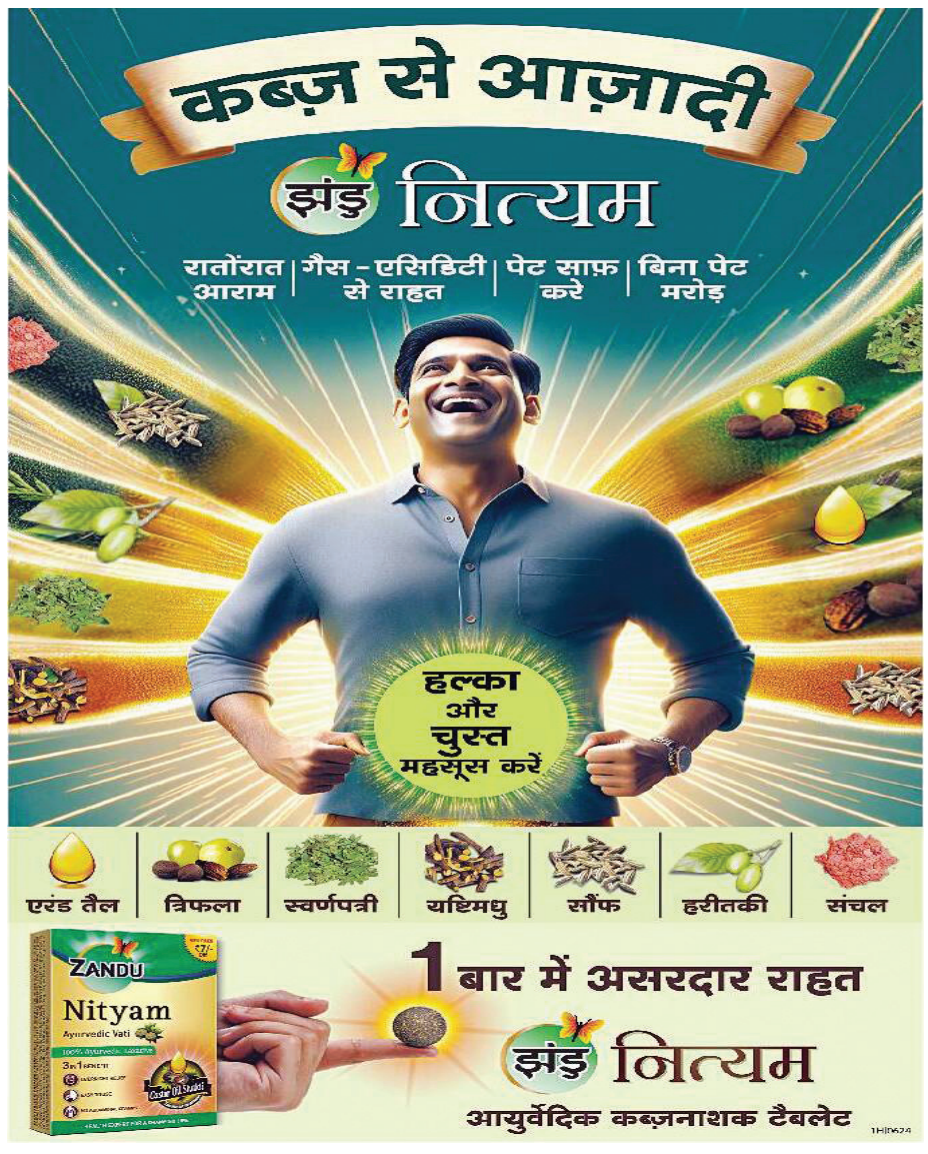

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया** **संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022